डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 40 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 03 नवम्बर से 09 नवम्बर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

अमित शाह और योगी ने रघुनाथपुर को बनाया हॉट विधानसभा सीट

-सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट से पूर्व सांसद और बहुचर्चित डॉन शाहबुद्दीन के पुत्र ओसामा साहेब चुनाव मैदान में हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का 6 नवंबर को चुनाव होना है। जैसे-जैसे चुनाव तिथि नजदीक आ रही है चुनाव में तीव्रता, तीखापन एवं चमक-धमक बढ़ती जा रही है। बिहार में कुछ सीट काफी चर्चित हो रही है। जिसमें से एक सीट है सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट। इस विधानसभा सीट की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भाजपा के चाणक्य और देश के गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी यहां जाकर प्रचार कर चुके हैं। अमित शाह और योगी ने लालू प्रसाद यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने डॉन शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा को टिकट देकर बिहार की सुरक्षा को खतरे में डाला हैं। योगी ने कहा कि ओसामा का नाम ही ऐसा है जो सब कुछ बताता है। भाजपा ने इस सीट को बहुत अहमियत दे रखी है। दूसरी तरफ डॉन और चार बार के सांसद शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा साहेब के पक्ष में हिंदू-मुस्लिम समुदाय का अच्छा समर्थन के संकेत मिल रहे हैं। डॉन शाहबुद्दीन को सीवान की गरीब जनता का मसीहा कहा जाता था। शाहबुद्दीन के समय क्षेत्र का बड़े से बड़ा डॉक्टर फ़ीस के 50 रूपये से ज्यादा नहीं ले सकता था। सरकारी ऑफिसों में गरीबों और मजदूरों का काम सरकारी कर्मचारी और अधिकारी नहीं रोकते थे। शहाबुद्दीन के समय सीवान जिले में काफी विकास कार्य हुए थे। लेकिन भाजपा ने इस चुनाव को हिंदू मुस्लिम करने के साथ-साथ सुरक्षा से भी जोड़ दिया है। बिहार की इस चर्चित सीट का क्या रिजल्ट रहेगा यह तो 14 नवंबर को ही पता चल पाएगा। राजद के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एक चुनावी सभा में कहां कि ओसामा मेरा सगे भाई जैसा है। अमितशाह और योगी का ऊल जलूल बोलना ठीक नहीं है।

क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेलंगाना कैबिनेट मंत्री के रूप में ली शपथ

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में हुए एक समारोह में अजहरुद्दीन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। अजहरुद्दीन ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ के आखिर में 'जय तेलंगाना' और 'जय हिंद' के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री, स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के चेयरमैन जी सुखेन्द्र रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। अजहरुद्दीन के बेटे मोहम्मद असदुद्दीन भी मौजूद थे, जिन्हें हाल ही में टीपीसीसी का महासचिव नियुक्त किया गया है। राज्य कैबिनेट ने अगस्त में अजहरुद्दीन को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद सदस्य के तौर पर नॉमिनेट करने का फैसला किया था। अजहरुद्दीन को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिलने की संभावना है। पूर्व सांसद अजहरुद्दीन फिलहाल तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और इसकी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य हैं। 62 साल के अजहरुद्दीन को 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव से पहले कैबिनेट में शामिल किया गया है। पूर्व क्रिकेटर, जो 2023 में अपने गृह क्षेत्र से चुनाव हार गए थे, फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने नवीन यादव को मैदान में उतारने का फैसला किया और अजहरुद्दीन को कैबिनेट में जगह देने का वादा किया। अजहरुद्दीन के शपथ ग्रहण के साथ ही राज्य कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। वह रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में पहले मुस्लिम मंत्री होंगे। सत्ताधारी पार्टी को करीब दो साल पहले सत्ता में आने के बाद से ही एक भी मुस्लिम मंत्री न होने के कारण समुदाय के विभिन्न वर्गों की आलोचना झेलनी पड़ रही थी। अजहरुद्दीन समेत कांग्रेस पार्टी के सभी प्रमुख मुस्लिम उम्मीदवार 2023 के विधानसभा चुनावों में हार गए थे। अजहरुद्दीन को मंत्री बनाए जाने को कांग्रेस पार्टी का मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जो जुबली हिल्स में मतदाताओं का लगभग 30 प्रतिशत हैं। कैबिनेट का गठन 7 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ हुआ था। काफी देरी के बाद, 8 जून को तीन मंत्रियों को शामिल करके कैबिनेट का विस्तार किया गया। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व ने तीन पद खाली रखे। राज्य कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। अजहरुद्दीन 2009 में कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के कुछ महीने बाद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2014 में राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से मैदान में उतारा था, लेकिन वह चुनाव हार गए थे। वर्ष 2018 में, उन्हें तेलंगाना कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार किया था, लेकिन पार्टी ने उन्हें न तो विधानसभा और न ही लोकसभा चुनावों में टिकट दिया।

अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

-अधिकारी लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से करें निस्तारित- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी हुई है। आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निस्तारण कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी दिशा में एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री परिवादियों से सीधा संवाद कर उनकी परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण कर रहे हैं। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें जिससे आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो।

सिलिकोसिस ग्रस्त रामअवतार का बनेगा सर्टिफिकेट, मिलेगा योजना का लाभ-

सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए- खड़गे

-खड़गे ने देश में कानून व्यवस्था की समस्याओं का मुख्य कारण आरएसएस को बताया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आरएसएस पर हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में कानून व्यवस्था की समस्याओं का मुख्य कारण आरएसएस को बताया। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह वास्तव में सरदार पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तो आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। खड़गे ने स्पष्ट कहा मेरी निजी राय में आरएसएस पर बैन लगाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया यह संगठन सांप्रदायिक उत्तेजना फैलता है, जो देश की एकता के लिए खतरा है। खड़गे दिनों दिन कांग्रेस और संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरह आरएसएस पर हमलावर होते जा रहे हैं। खड़गे आरएसएस पर तीखे हमले करने से कहीं भी नहीं चूकते हैं।

सरदार पटेल का हवाला-

खड़गे ने 18 जुलाई 1948 के सरदार पटेल के एक पत्र का जिक्र किया, जिसमें पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखा था कि RSS ने ऐसा माहौल बनाया था, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई। पटेल ने RSS के विचारों को "जहर से भरा" बताया था और स्वयं ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया था। खड़गे ने कहा कि पटेल ने RSS को कभी बर्दाश्त नहीं किया, जबकि BJP इसे अपना बताती है।

भाजपा पर हमला-

खड़गे ने भाजपा को पटेल के विचारों का अपमान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि मोदी-शाह पटेल को याद करते हैं, लेकिन उनके विचारों को लागू नहीं करते। साथ ही, NCERT की किताबों से गांधी, गोडसे, RSS और 2002 गुजरात दंगों से जुड़े तथ्यों को हटाने का जिक्र कर भाजपा की मंशा पर सवाल उठाए।

कांग्रेस का पक्ष-

खड़गे ने जोर देकर कहा कि सरदार पटेल कांग्रेस के ही थे और नेहरू-पटेल के बीच गहरे संबंध थे। भाजपा का नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करने का प्रयास ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ना है।

हर बैन के बाद मजबूत हुआ आरएसएस- होसबाले

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर तीखा पलटवार किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। होसबाले ने कहा कि आरएसएस पर जब-जब प्रतिबंध लगाया गया, संगठन और अधिक निखरके सामने आया। अगर कोई चौथी बार भी कोशिश करना चाहता है तो हम तैयार हैं। शनिवार को जबलपुर में एक कार्यक्रम के बाद बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग संघ पर बैन की बात कर रहे हैं, उन्हें यह बताना चाहिए कि आखिर इसका क्या कारण है? संघ का कार्य समाज को जोड़ना और देश-भक्ति की भावना को मजबूत करना है। इतिहास गवाह है कि हर प्रतिबंध के बाद संघ का जनाधार और विश्वास बढ़ा है।

हाड़ौती में वैश्य समाज के नेताओं की राजनीति खतरे में दिखाई दे रही है !

-अंता विधानसभा उपचुनाव वैश्य समाज के नेताओं के लिए निर्णायक दिखाई दे रहा है

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में वैश्य समाज की राजनीति काफी होशियारी भरी दिखाई देती रही है। कोटा, बारां और झालावाड़

की राजनीति में वैश्य समाज के नेताओं का वर्चस्व दिखाई देता रहा है। संख्या के आधार पर देखें तो इन तीनों जिलों में वैश्य समाज की जनसंख्या 2-3 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। लेकिन समाज के विधायक और सांसद आसानी से जीत कर आते हैं। भाजपा का वोट बैंक समझा जाने वाला वैश्य समाज के नेता हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, झालावाड़) जिले में दोनों बड़ी पार्टी भाजपा और कांग्रेस में मजबूत पकड़ रखते हैं। शांति धारीवाल करीब चार बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं जबकि उनकी विधानसभा सीट पर वैश्य वर्ग के 20 हजार वोट भी नहीं है। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा संसदीय क्षेत्र से लगातार दूसरी बार चुनाव जीते हैं। इसी तरह बारां जिले में प्रमोद जैन भया अब तक तीन बार चुनाव जीत चुके हैं और चौथी बार अंता विधानसभा उपचुनाव में मैदान में है। इसी तरह प्रताप सिंह सिंघवी भी दो बार विधायक बन चुके हैं। दोनों पार्टियों में से किसी भी पार्टी की सरकार बने लेकिन हाड़ौती के वैश्य नेताओं को सरकार में शक्तिशाली पद और पोर्टफोलियो मिलते रहे हैं। हाड़ौती में वैश्य समाज का वर्चस्व कब तक कायम रहेगा, हाड़ौती के दूसरे समुदायों और जाति वर्गों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वैसे वैश्य जाति के नेताओं का अच्छा पढ़ा लिखा होना, आर्थिक मजबूत स्थिति और राजनीतिक सूझबूझ उनकी सफलता का कारण है। वैश्य समाज के नेता अपनी पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व से घनिष्ठता भी रखते हैं।

क्या वर्चस्व बना रहेगा-

हाड़ौती क्षेत्र में ओबीसी, दलित, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक समाज के लोगों की बड़ी जनसंख्या है। ओबीसी और आदिवासी समाज में शिक्षा एवं आर्थिक संपन्नता आने के कारण इन समाजों में राजनीति के नेतृत्व भी तेजी से उभर रहा है। वैश्य समाज के ओबीसी और आदिवासी समाज के लोग भी अपने नेताओं के पीछे लामबंद होने लगे हैं। यही कारण है कि लोकसभा में प्रहलाद गुंजल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कड़ी टक्कर दी थी। अंता में कंवर लाल मीणा (भाजपा) ने 2013 विधानसभा चुनाव में प्रमोद जैन भाया (कांग्रेस) को हराया था। इसी तरह अंता के विधानसभा चुनाव (11 नवंबर 2025) में नरेश मीणा, प्रमोद जैन भाया को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। शांति धारीवाल कोटा में मुस्लिम बाहुल्य सीट से जीतते हैं। अब उनका भी विरोध होने लगा है। जैसे-जैसे समाज में शिक्षा और राजनीतिक जागरूकता बढ़ रही है, राजनीति के मापदंड भी बदल रहे हैं। जनता अब किसी एक के पीछे बंधी नहीं रहती है। इसलिए भविष्य में हाड़ौती क्षेत्र में वैश्य नेताओं का वर्चस्व ज्यादा दिनों तक कायम रह सकता है, निश्चित नहीं है।

मुसलमानों पर देश को बढ़ाने और बचाने की दोहरी जिम्मेदारी !

-देश के विकास में योगदान की जिम्मेदारी
-देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के नेताओं और पार्टियों की बिना लक्ष्य की राजनीति ने देश को कमजोर किया है। देश में चुनाव विकास, शिक्षा एवं रोजगार के मुद्दों पर नहीं होकर मुसलमान, पाकिस्तान, मस्जिद, दरगाह, मंदिर, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर होने लगे हैं। देश की जनता समझ ही नहीं पा रही है कि देश को मजबूत और शक्तिशाली बनाने के लिए कौन सी पार्टी और कौन से नेताओं को चुनकर विधानसभा और संसद में भेजा जाए। कुछ पार्टियों के नेता चुनावी सभाओं में ऐसे भाषण देते हैं जिससे पूरे मुस्लिम वर्ग को सबसे बुरे इंसान और आतंकवादी ठहराया जा सके, हालांकि प्रत्यक्ष रूप से मुसलमान का नाम नहीं लिया जाता है क्योंकि झूठे आरोपों और भाषणों पर कानूनी कार्यवाही हो सकती है। वर्तमान में जाति समुदायों के बीच नफरत बढ़ी है। एक दूसरे को शक की नजरों से देखा जाने लगा है। देश में खबर आने लगी है कि एक विशेष समुदाय के लोगों को बाजारों में काम नहीं दिया जा रहा है तो कहीं पर पूरी जाति का बहिष्कार कर दिया गया है। देश के अंदर ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई जहां जातियों, धार्मिक प्रकृति को विषय बनाकर देश को चलाने की कोशिश की जा रही है। जबकि देश के युवाओं को अच्छी शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक एकता का पाठ पढ़ाने की जरूरत है।

देश के प्रति वफादारी और विकास में योगदान-

सबसे पहले मुसलमानों को देश के विकास में योगदान और देश की एकता के लिए काम करने की जरूरत है। वैसे 1857 और 1947 के स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमानों ने देश को स्वतंत्र करवाने में बड़ी कुर्बानियां दी है। शेष पृष्ठ 2 पर....

पीएम मोदी ने तेलंगाना बस हादसे पर जताया दुख, पीड़ित परिवारों के लिए की सहायता राशि की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पीएम मोदी ने कहा- 'दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में एक दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए दी जानकारी

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए जानकारी देते हुए लिखा, "पीएम मोदी ने घोषणा की है कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

शेष पृष्ठ 2 पर....

हज कमेटी ऑफ़ इंडिया ने दूसरी किस्त जमा करने की तारीख 7 सितंबर तक बढ़ाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हज कमेटी ऑफ़ इंडिया ने हज 2026 के लिए दूसरी किस्त जमा कराने की तारीख 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 7 नवम्बर करदी है। हज 2026 पर जाने वालों के लिए हज कमेटी ऑफ़ इंडिया ने विशेष सहूलियत दी है। राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के महासचिव हाजी शेख निजामुद्दीन ने बताया कि चयनित हज यात्री किस्त जमा कराने के बाद रसीद हज हाऊस में जमा करा सकते है।

डॉ. योगेश यादव को महासचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद प्रदेश की कार्यकारिणी में विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव ने अपने कार्यकारिणी में चौमूं के डॉ. योगेश यादव को महासचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया। महासचिव पद नियुक्त होने पर विश्व यादव परिषद के पदाधिकारी तथा समाज के बंधुओ ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किये।

बिहार चुनाव में कोड़ा विधानसभा 69 सीट पर पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सलमान खान रंगरेज को मिली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर शहर निवासी युवा कांग्रेस नेता को बिहार विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जिम्मेदारी दी गई हे।जिसमे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देशानुसार बिहार राज्य के कटिहार जिले के विधानसभा क्षेत्र कोड़ा(69) सीट में पर्यवेक्षक की जिम्मेदार सौंपी गई हे।इस आदेश के बाद सलमान खान रंगरेज ने पूर्व राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष आबिद कागजी व शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

चौमूं शहर के वार्ड नंबर 30 में अवैध बूचड़खाने संचालित

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । चौमूं में अवैध बूचड़खाने धड़ल्ले से चल रहे हैं ना तो इनके पास में मीट बेचने का कोई लाइसेंस है और ना ही कोई नियम कायदे हैं । आखिर नगर परिषद की इन लोगों पर इतनी मेहरबानी क्यों बनी हुई है । सोने पर सुहागा ये है कि पास में मन्दिर है उसके चारों ओर ये अवैध मीट बेचने वाले जानवरों के अपशिष्ठ पदार्थ तक डाल देते हैं । कभी ईश बात को लेकर शहर में कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है । अगर वक्त रहते इन पर कारवाई नहीं हुई तो कभी भी ईश का फायदा उठाकर समाज कंटक कोई भी बवाल मचा सकते हैं । इसीलिए नगर परिषद को तुरंत इन अवैध बूचड़खानों पर लगाम लगा कर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए । नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी जानकारी रखते हैं कि कहाँ पर और कौनसी अवैध मीट की दुकान है । फिर भी कार्यवाही करने का क्यों इंतज़ार किया जा रहा है ।

ग़ज़ल - दिल ना दुखा

कुछ लम्हों में दिल बदलेगा ऐ बाबू
हां कह दो ना तुम भी ज़रा ऐ बाबू
ताड़ के देखा प्यार से देखा ऐ बाबू
पास मेरे कुछ आ जाओ ना ऐ बाबू
चाहे जितने दोस्त बना लो लेकिन तुम
नाजुक सा ये दिल न दुखा ना ऐ बाबू
चाह के तुझको हमने सब ठुकराया है
ढूंढ़ सकोगे तुम ना मुझ सा ऐ बाबू
मैंने ही बस तुम में बुराई ना देखी
किस किस ने क्या क्या न कहा ऐ बाबू
दुनिया वी खेलों में क्या रक्खा है
दर्द ना हो वो खेल सिखा ऐ बाबू

-फ़ज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

Scan Here

-संपादक

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भामाशाह अग्रवाल के सहयोग से विष्णु महामाया मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

-मंदिर का निर्माण साढे छह हजार स्क्वायर फीट में होगा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के टांकरडा ग्राम में स्थित मणिद्वीप धाम परिसर में वर्षों से लंबित पड़े विष्णु महामाया मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ चौमू निवासी भामाशाह श्याम बिहारी अग्रवाल एवं परिजनों के सहयोग से प्रारंभ हुआ। इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व भामाशाह अग्रवाल एवं उनके परिजनों के द्वारा विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ कार्य का शुभारंभ किया। पूर्व विधायक शर्मा ने कहा कि धार्मिक कार्यों में क्षेत्र के भामाशाहों को आगे आना चाहिए। मंदिर निर्माण का कार्य अनवरत जारी रहेगा और इससे समाज में श्रद्धा एवं एकता की भावना जागृत होगी। अग्रवाल ने बालाजी के अधूरे मंदिर निर्माण कार्य को पूर्ण करवाने का संकल्प लिया। कैप्टन पंडित मोहनलाल शर्मा व पंडित रामस्वरूप शर्मा ने विधि-विधान के साथ गणेशजी, नवग्रह विष्णु महामाया की पूजा अर्चना करवाई। इसमें यजमान श्याम बिहारी अग्रवाल, संतोष देवी, हर्षिता देवी एवं परिजनों ने पूजा अर्चना की। पंडित सत्यनारायण भातरा, धाम के स्वामी योगेंद्राचार्य ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। धाम के स्वामी योगेंद्र आचार्य ने बताया कि मंदिर का निर्माण साडे छह हजार स्कायर फीट क्षेत्र में होगा। इसमें विशाल गर्भग्रह, ध्यान कक्ष, सांस्कृतिक केंद्र एवं शोध संस्थान शामिल होंगे। 9 फीट ऊंची व 18 हाथों वाली माता की प्रतिमा पहले से ही स्थापित है। यह मंदिर आसपास के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक व पारंपरिक वास्तुकला का संगम होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण की गई। इस दौरान पर सेवानिवृत्त शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, डॉ. के.बी. शर्मा, डॉ. मनोज भातरा, भुवनेश तिवाड़ी, कैलाश तिवाड़ी, पवन सिंह राजावत, रामनारायण कुलरिया, कल्याण प्रजापत, माधव शर्मा, सीताराम सोनी, लक्ष्य भातरा, रोहित सिंह, सूरज्ञान चौधरी, बालजी चोपड़ा, गोपाल चोरिया, छुट्टन सिंह, श्रवण सिंह सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

राजस्थान हाईकोर्ट में बम की सूचना पर हड़कंप

-हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट में 31 अक्टूबर 2025 को बम की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल के जरिए मिली इस धमकी के बाद तुरंत हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया। सूचना मिलते ही ATS, डॉग स्क्वॉड टीम और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। टीम ने हाईकोर्ट के सत्यमेव जयते भवन की सघन जांच की। हालांकि, जांच में किसी भी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जयपुर में इस तरह की सूचनाओं पर पुलिस प्रशासन और सिविल प्रशासन की ओर से तुरंत एक्शन लिया जाता है। प्रशासन संभावित जान- माल की हानि को रोकने के लिए प्रयासों में जुट जाता है। इस बार भी जयपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे हाईकोर्ट को सुरक्षा घेरे में लेकर चप्पे-चप्पे की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं को ढूंढने की कोशिश की। यह बात अलग है कि हाईकोर्ट में कोई संदिग्ध वस्तु या बम नहीं मिला।

मोग्या गैंग के चार शातिर नकबजनी को पुलिस की विभिन्न टीमों ने जिला दौसा, करौली व टोंक से दबोचा

-घरों में दीवार, जंगले तोड़ कर एवं मकान का ताला तोड़ कर चोरी की वारदातों को दिया जाता था अंजाम

सवाई माधीपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस अधीक्षक, अनिल कुमार बेनिवाल, आईपीएस ने बताया कि सवाई माधोपुर पुलिस ने जिला सवाई माधोपुर के विभिन्न थानों के ग्रामीण क्षेत्र में विगत दिनों में हुई लगातार चोरी एवं नकबजनी करने वाले गिरोह के चार बदमाशों को पकड़कर बड़ी सफलता हासिल की है। बदमाशों ने पिछले दो-तीन माह में घरो में दीवार व जंगले तोड़ कर, दुकानों एवं मकान का ताला तोड़ कर इन वारदातों को अंजाम दिया था। पुसिल अधीक्षक ने बताया कि थाना सूरवाल के ग्राम मैनपुरा में 28 सितम्बर, 23 सितम्बर, 2025 की रात्रि को ग्राम दुब्बी, 20 सितम्बर, 2025 को ग्राम जटवाडा में रात्रि की कई मकानों की दीवार एवं जंगले या ताला तोड़कर मकान में प्रवेश कर जेवरात एवं नकदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इन वारदातों के खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सवाई माधोपुर मुख्यालय रामकुमार कस्वां, वृताधिकारी शहर सवाई माधोपुर उदय सिंह के सुपरविजन में तीन थानाधिकारियों सूरवाल, मानटाउन, मलारना डूंगर एवं डीएसटी को सम्मिलित कर विशेष टीमों का गठन किया गया। विशेष टीम द्वारा अथक प्रयास कर तरीका वारदात का विश्लेषण कर इस प्रकार की घटनाओं चालानशुदा अपराधियों एवं संदिग्धों से पूछताछ की गई। विशेष टीम के सदस्यों को मुखबिर से पता चला कि उक्त चोरियां / नकबजनी की वारदाते भोग्या गैंग द्वारा कारित की जा रही है। मवेशियों के ग्वाला बनकर कर पुलिसकर्मियों द्वारा रेकी की गई विशेष टीम द्वारा सार्थक प्रयास कर इस गैंग के सदस्यों की पहचान के लिए इनकी गतिविधियों की लगभग 15 दिवस तक निगरानी की गई। नकबजन गिरोह के सदस्यों की पहचान एवं उनको पकड़ने के लिए पुलिसकर्मियों ने मवेशियों के ग्वाल बन कर इनकी रैंकी की गई। इनके रहने के मकानों / टापरियों की पहचान कर उनके आने जाने के रास्तों एवं साधन वाहनों के नम्बर प्राप्त किये गये। इन बदमाशों की पुख्ता सूचना प्राप्त होने पर पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा कार्य योजना बनाकर इनकी घेराबन्दी कर गैंग के चार बदमाशों सदस्यों को जाट बडौदा, गंगापुर, बनास नदी पक्का बंधा टोंक के डेरों पर दबीश देकर दबोचने में सफलता प्राप्त की।

गिरोह के इन बदमाश को पकड़ा-

जोधा राम उर्फ चाच्या उर्फ जोधा, मुकेश उर्फ सुमान पुत्र कैलाश उर्फ देवी लाल, गुड्डा पुत्र कैलाश उर्फ देवी लाल, रामफूल पुत्र घासी।

घरो में ऐसे लगाते थे सेंध-

बदमाश चोरी करने के लिए गेट का कुन्दा काटकर मकान में प्रवेश करते थे या दीवार में लगे पत्थर या जंगला तोड़कर या ईटों में से कुछ पत्थर हटा कर एक आदमी लेट कर अन्दर घुस जाए, इसके बाद कमरे में प्रवेश कर चोरी की करदात को अंजाम दिया जाता है। बदमाश चोरी के लिए मोटरसाईकिल का इस्तेमाल करते थे, इनके पास कद्र, पेचकस, टॉर्च हमेशा साथ होते थे। मुख्यतः गांव के बाहर बने हुए मकानो को ज्यादा टारगेट करते थे, जिससे जाग होने पर आसानी से भागा जा सकें। ये बदमाश बिना रेकी किये हुए वारदातों को अंजाम देते है घर से निकलने के बाद जिस मी दिशा में जाते थे उस दिशा में आने वाले किसी भी गांव में घुस जाते थे एवं वारदातों को अंजात देते थे। इस गैंग का सरगना जोध्या उर्फ जोधाराम मोग्या है जिसके विरूद्ध विभिन्न जिलो में चोरी लूट नकबजनी के 13 प्रकरण दर्ज है। अन्य बदमाशों का आपराधिक रिकार्ड संकलित किया जा रहा है। इनसे पूछताछ से अन्य चोरियों की वारदातें खुलने की संभावना है। इस गैंग में छः बदमाश शामिल है दो अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के सार्थक प्रयास किये जा रहे है।

पुलिस की टीम-

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वां के नेतृत्व में पुलिस टीम के सदस्य जिनका कार्यवाही मे योगदान जितेन्द्र सिंह थानाधिकारी मलारना डूंगर,सुनील कुमार गुप्ता थानाधिकारी थाना मानटाउन, जयप्रकाश थानाधिकारी थाना सूरवाल, श्याम सुन्दर प्रभारी डीएसटी सवाई माधोपुर, अजीत मोगा सहायक उप निरीक्षक सायबर सेल, हरिशंकर सहायक उप निरीक्षक थाना सूरवाल, संजय कुमार हैड कानि, बुद्धिप्रकाश कानि 55 थाना मानटाउन विशेष भूमिका, हनुमान कानि 258 थाना खण्डार - विशेष भूमिका, मुकेश यादव कानि 990 - विशेष भूमिका, राजेश कानि 104 डीएसटी, मनीष कानि 1423 डीएसटी, सोनाराम कानि डीएसटी, आशाराम कानि 1447 डीएसटी, हेमन्त कानि 1402 डीएसटी, केदार प्रसाद कानि थाना मलारनाडूंगर, विजय सिंह कानि 109, हरवीर कानि 646 थाना सूरवाल, भवानीशंकर कानि 232 थाना सूरवाल, हरिसिंह कानि 1133 थाना मानटाउन महेन्द्र कुमार हैड कानि व राजकुमार कानि सायबर सेल। पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर द्वारा पुलिस टीम के इस कार्य की प्रशंसा की गई है।

सनातन संस्कृति के लिए गाय की रक्षा जरूरी है- तिवाड़ी

- गायों की सेवा करने पर जोर दिया

- 51 गोसेवकों का मुख्य अतिथि घनश्याम तिवाडी ने किया सम्मान

चौमू (रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति गोविंदगढ़ के स्थित कृष्ण गोपाल गौशाला में आयोजित 32 वां गोपाष्टमी एवं मेला और सम्मान समारोह में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ने कहा कि सनातन संस्कृति को जीवित रखने के लिए गौ सेवा जरूरी है। गाय हमारी राष्ट्रीय माता है गाय का गोमूत्र दूध अमृत के सम्मान होता है। इस कार्यक्रम में कृष्ण गोपाल गौशाला समिति के सचिव एडवोकेट रघुवीर सिंह राठौड़ ने भी कहा कि मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद गण शांतिवादी को 51 गौ सेवकों को दुपट्टा उडाकर और स्मृति चिन्ह देखकर उनका सम्मान किया। इस कार्यक्रम के दौरान गौशाला में गौशाला परिक्रमा व एक दिवसीय हवन यज्ञ और भंडारा में प्रसादी वितरित की गई। इस कार्यक्रम में मौके पर संत रतिराम जी महाराज, साध्वी नवल बाईसा, समिति के अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल, सरपंच रमेश शर्मा, कॉलेज प्रिंसिपल जय भारत सिंह, रणवीर सिंह, बाबूलाल जांगिड़, जयपाल सिंह, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

होमगार्ड कम्पनी कमांडर 4,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

-ड्यूटी लगाने की एवज में होमगार्ड से ही मांग रहा था 5,000 रुपये

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), राजस्थान की एस.आई.यू इकाई ने गुरुवार को जयपुर में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए होमगार्ड पुलिस लाइन में तैनात एक कम्पनी कमांडर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा को 4,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी, जो स्वयं एक होमगार्ड है, ने ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसकी ड्यूटी लगाने के बदले में कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग कर उसे परेशान कर रहा है। शिकायत मिलने पर, एसीबी की टीम ने पहले इसका सत्यापन किया। सत्यापन सही पाए जाने पर, जयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एस.आई.डब्ल्यू.) संदीप सारस्वत के नेतृत्व में एक ट्रैप कार्रवाई आयोजित की गई। पुलिस उप अधीक्षक सुरेन्द्र पंचोली एवं उनकी टीम ने आज कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरोपी कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा को परिवादी से 4,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया है।

हज़रत शेख अलाउद्दीन हसन साहब (रह. अ.) का उर्स सम्पन्न

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । हज़रत शेख अलाउद्दीन हसन साहब कादरी व चिश्ती (रह. अ.) का 336वां उर्स मुबारक हर साल की तरह इस साल भी मनाया गया। उर्स व लंगर का इन्तेज़ाम इन्तिजामिया कमेटी बिरादरी खरादी लुहारान मुलतानी, शहर जयपुर की तरफ से किया गया। उर्स में जयपुर व बाहर के मशहूर कव्वालों ने अपने-अपने कलाम पेश किये। दरगाह इन्तिज़ामिया कमेटी के सचिव अब्दुल मजीद ने बताया कि हज़रत शेख अलाउद्दीन हसन साहब की दरगाह जयपुर शहर की सबसे पुरानी दरगाह है। हज़रत शेख अलाउद्दीन हसन साहब शहर मुलतान से हिजरत करके बिरादरी खरादी लुहारान मुलतानी के लोगों के साथ करीब 365 साल पहले सांगानेर आकर बसे और फिर यहीं आपका विसाल 1110 हिजरी में हुआ। उर्स इतवार 2 नवम्बर को रात 8 बजे मीलाद शरीफ व उसके बाद महफिले कव्वाली के साथ शुरू हुआ। महफिले समा से पहले बिरादरी खरादी लुहारान मुलतानी, जयपुर की तरफ से चादर पेश की गई। रात 2 बजे फातेहा हुई। सोमवार 3 नवम्बर को बाद नमाज़ फज्र कुरआन ख्वानी व 10 बजे चादर हाजी इस्लामुद्दीन काग़ज़ी, काग़ज़ी मोहल्ले से होकर दरगाह शरीफ आई। सुबह 11 बजे फातेहा व लंगर हुआ। बाद नमाज़ मग़रिब कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन हुआ।

नगर में श्वानों का आतंक, 16 लोग बने शिकार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर में आवारा श्वानों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिनों में करीब 16 लोगों को श्वानों ने काट खाया, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। शुक्रवार को ही 11 लोगों को घायल अवस्था में मनोहरपुर CHC लाया गया, जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। जानकारी अनुसार 31 अक्टूबर को धर्मेन्द्र 22 साल मनोहरपुर, रामेश्वर 50 साल, गुड्डी 40 साल, निर्मल 35 साल, छोटी लाल 30 साल देव का हारवाड़ा, 1 नवंबर को पंचूराम 60 वर्ष मनोहरपुर वर्ष 15 वर्ष मनोहरपुर तंगीश खान 20 वर्ष, रामवीर 18 वर्ष, चांद मोहम्मद 36 वर्ष, भारत 24 वर्ष सलीम 60 वर्ष कुलदीप 40 वर्ष कालूराम 70 वर्ष मदन 23 साल व लाली देवी 57 वर्ष छारसा को श्वान ने काटकर घायल किया। क्षेत्र में श्वान ने पहले सुबह 5 लोगो को और शाम को 6 लोगो को 11 लोगों श्वान ने काटकर घायल कर दिया। इससे पूर्व 5 लोगो को काटकर घायल कर दिया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पालिका प्रशासन पूरी तरह लापरवाह है, न तो पिंजरे की व्यवस्था है, न ही समय पर श्वानों को पकड़ा जा रहा है। पालिका कर्मी दो घंटे से उस खूंखार श्वान को ढूंढने में जुटे रहे, जिसे बाद में आबादी क्षेत्र से बाहर भगाया गया। ज्ञात रहे कि पालिका ने पूर्व में श्वान बंध्याकरण और टीकाकरण शिविर आयोजित करने का दावा किया था, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर में श्वानों के झुंड खुलेआम गलियों में घूम रहे हैं और अब तक कई बार लोगों को घायल कर चुके हैं। ग्रामीणों ने पालिका से तत्काल कार्रवाई कर श्वानों के आतंक से राहत दिलाने की मांग की है। नगरवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है।

पृष्ठ एक का शेष....

पीएम मोदी ने तेलंगाना बस हादसे पर जताया दुख......

घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।"

हादसे के समय बस में लगभग 70 यात्री थे सवार

रंगारेड्डी जिले में हुई बस और ट्रक की टक्कर में अब तक 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा के पास हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर सुबह लगभग 6.30 बजे हुई। हादसे के समय तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बस में लगभग 70 यात्री सवार थे।

कंक्रीट से लदे एक ट्रक से हुई जोरदार टक्कर

तांडूर से हैदराबाद जा रही बस को गलत दिशा से आ रहे कंक्रीट से लदे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक के बस में घुसने से पहली छह पंक्तियों में बैठे यात्री गिरकर बजरी के नीचे दब गए। मृतकों में एक 10 महीने की बच्ची और उसकी मां भी शामिल हैं। बस और ट्रक चालकों की भी हादसे में मौत हो गई। कई यात्री घायल हो गए और उन्हें चेवेल्ला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष....

मुसलमानों पर देश को बढ़ाने और बचाने की.......

आज देश स्वतंत्र है तो हम भी स्वतंत्र हैं। लेकिन वर्तमान में देश में शांति एवं भाईचारा कायम रखने में भी कुर्बानियां देनी पड़ेगी। मुस्लिम समुदायों के बुद्धिजीवियों को युवाओं को समझाना पड़ेगा कि वह किसी के उकसावें में नहीं आए। हमको शिक्षा प्राप्त करने और अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश की आर्थिक मजबूती के लिए काम करने की तरफ अग्रसर किया जाए। क्योंकि टकराव के रास्ते से देश की बर्बादी शुरू हो जाती है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन मुस्लिम युवाओं को गुप्त रूप से देश के प्रति वर्गलाने का काम कर सकते हैं, उनकी साजिशों से बचना काफी जरूरी है। मुस्लिम युवाओं को चाहिए कि वह ईमानदारी से शिक्षा प्राप्त करें, रोजगार प्राप्त करें और व्यवसाय करें। उकसावे की चीज से बचें या फिर कानून का साथ ले। देश की वर्तमान स्थिति बताती है कि मुसलमानों को राजनीतिक रूप से जागरूक होकर अच्छी और देश की सोचने वाली सरकार चुनने में समाज के उन लोगों की सहायता कर सकते हैं जो देश को बचाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। इसलिए कहां जा सकता है कि वर्तमान में मुसलमानों के ऊपर दोहरी जिम्मेदारी है। एक तो उन्हें देश में एकता, भाईचारे और शांति बनाने में अपना योगदान देना है, साथ में देश किस प्रकार दुनिया का अग्रणी देश बने, के लिए हमेशा कोशिश करते रहनी है।

नेशनल टैलेंट सर्च के पोस्टर का विमोचन

-मुसलमानों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास पर 25 वर्षीय रोडमैप तैयार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सी-स्कीम स्थित एक होटल इंडिया प्राईड में सोमवार को एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (एएमपी), राजस्थान की ओर से सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें पदाधिकारियों ने 'भारतीय मुसलमानों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए 25 वर्षीय रोडमैप' की जानकारी दी। साथ ही मुस्लिमों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास पर भी जोर दिया। इस मौके पर मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चौपदार, राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के महासचिव शेख हाजी निजामुद्दीन व साहित्यकार फारूक आफरीदी सहित अन्य अतिथियों ने नेशनल टैलेंट सर्च परीक्षा के पोस्टर का विमोचन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आमिर इदरीसी ने संगठन की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। फैयाज अहमद अंसारी ने बताया कि रोडमैप प्लान के तहत देशभर में रोजगार मेला लगाने व आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है। हनीफ टांक व जयपुर कलस्टर हैड मकबूल अली नकवी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के बलिदान दिवस तथा सरदार पटेल की जयंती पर सर्व धर्म सभा का आयोजन

-देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ है – डोटासरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के बलिदान दिवस तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विधायक, विधायक प्रत्याशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जिन्होंने पूरे विश्व में देश की मजबूत छवि को कायम करते हुये पाकिस्तान के दो टुकड़े किये तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्होंने देश के एकीकरण के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया उनके दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुये समस्त कृतज्ञ राष्ट्र इन नेताओं को श्रद्धांजलि दे रह है। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करने से भी इंकार कर दिया और पाकिस्तान को सबक सिखाते हुये सैन्य कार्यवाही कर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिये थे और आज भारत के मौजूदा प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आ गये और पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में विचित्र हालात उत्पन्न हो गये हैं क्योंकि जो आरएसएस देश की जनता से वोट नहीं लेता है, जनता के प्रति उसकी कोई जवाबदेही नहीं है, वे सरकारों पर अंकुश लगा रहे हैं और अपना आधिपत्य जमाये हुये बैठे हैं और इस प्रकार से शासन कर रहे हैं जैसे जनता ने उन्हें चुना हो। राजस्थान स्वतंत्र राज्य है जिसे आरएसएस ने केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया है जहाँ केन्द्र की इच्छा के बगैर कुछ नहीं हो सकता है। प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हावी है, जिसे कोई भय नहीं है, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की भी सुनवाई नौकरशाही नहीं कर रही है, ऐसे में आम जनता की स्थिति तो सोचनीय हो गई है। आज की परिस्थिति में आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जैसा साहस, अनुशासन, दूरदृष्टि, पक्का इरादा का नारा जो उन्होंने दिया उसके अनुरूप हर कांग्रेस कार्यकर्ता को कार्य करना होगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी से प्रेरणा लेकर उनके सदगुणों को अपनाते हुये सभी कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता उनके दिखाये मार्ग पर चलते हुये देश की मजबूती के लिये कार्य करेंगे तथा जिस प्रकार नेता विपक्ष राहुल गाँधी लगातार निडरता के साथ केन्द्र सरकार की गलत नीतियों को लेकर विरोध कर रहे हैं उसी प्रकार सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को काम करना होगा।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा देश में वोट चोरी कर सरकार पर काबिज हो रही है, एजेन्सियों का दुरूपयोग किया जा रहा है । आज देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ है, संवैधानिक प्रावधानों के विरूद्ध यदि कोई मीडिया का व्यक्ति सरकार के विरूद्ध खबर चला दे, कोई व्यक्ति सरकार के विरूद्ध ट्विट कर दे तो उसके विरूद्ध मुकद्मा चला दिया जाता है, कोई नेता अथवा कोई नागरिक सरकार की नीतियों के विरूद्ध अपनी बात रखे तो ईडी, इन्कम टैक्स, सीबीआई की कार्यवाही करवा दी जाती है। प्रदेश में तो हालात बदतर हो गये क्योंकि पहले एक डीजी पुलिस हुआ करता था, लेकिन अब एक डीजी पर दूसरा डीजी और डीजी पर डीजी लगाये गये हैं । जिससे प्रदेश के कानून-व्यवस्था रसातल में चली गई और इसके लिये मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, क्योंकि यह अपने विवेक से कोई कार्य नहीं कर रहे हैं बल्कि केन्द्र से आई पर्ची के आधार पर ही निर्णय ले रहे हैं। पुलिस मुख्यालय और डीजी का इकबाल होता था, उसके निर्देशन में ही सब कार्य करते थे, लेकिन किन्तु अब विभिन्न डीजी लगा दिये हैं और सारी व्यवस्था चौपट हो गई है। आज स्थिति यह है कि मंत्री दौरे पर जाते हैं तो उनसे मिलने पांच लोग भी नहीं आते हैं, क्योंकि आम जनता ही नहीं भाजपा कार्यकर्ताओं को भी ऐसा विश्वास नहीं है कि उनके वाजिब और जरूरी काम सरकार में हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। प्रदेश में समस्त कार्यों के ठेके गुजरात की कम्पनियों अथवा दिल्ली दरबार में हाजिरी देने वालों को दिये जा रहे हैं और मंत्री बिना किसी विरोध के सांठ-गांठ कर यह ठेके दे रहे हैं। आज के हालात में स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन, उनके हौसले, साहस, दृढ़ इच्छा शक्ति तथा देश के लिये अपने आपको बलिदान करने के जज्बे से प्रेरित होकर कार्य करने का संकल्प कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता लेकर देश की मजबूती में अपना योगदान प्रदान करें।

केरोसिन गोदाम में लगी भीषण आग,लपटों ने तोड़ी मकान की पट्टियां

-7 दमकलों की जंग! घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

-छत से कूदकर बचाई जान! आग में फंसे लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से निकाला बाहर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर से बड़ी खबर- गलता गेट थाना क्षेत्र की कल्लन शाह कॉलोनी में 29 अक्टूबर 2025 को मचा हाहाकार, केरोसिन गोदाम में लगी भीषण आग ने मचाई अफरा-तफरी, लपटें इतनी भयानक कि मकान की पट्टियां तोड़कर बाहर निकली आग। गलता गेट थाना क्षेत्र के कल्लन शाह कॉलोनी की तंग गलियों में मची अफरा-तफरी, मकान में रहने वाले करीब 50 लोगों ने पड़ोसी की छत पर कूदकर बचाई अपनी जान, स्थानीय लोगों की सूझबूझ और दमकल की फुर्ती से टल गया बड़ा हादसा। आग इतनी भयंकर थी कि मकान की छत की पट्टियां पिघलने लगीं —और टूट कर निकलने लगी आग, मकान में LPG सिलेंडर भी रखे थे, लेकिन SDRF और दमकल टीम ने समय रहते सब पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, महापौर कुसुम यादव और उपमहापौर असलम फारूकी भी पहुंचे मौके पर। विधायक ने अधिकारियों को लगाई जमकर लताड़ कहा, "आखिर रिहायशी इलाके में अवैध केरोसिन गोदाम चल कैसे रहा है, फिलहाल, गलता गेट थाना पुलिस ने आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है, गनीमत रही किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन सवाल ये है — क्या ऐसे अवैध गोदामों पर कार्रवाई होगी, या फिर इस तरह की घटनाए राजधानी में होते ही रहेगी।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में और भी खतरे-

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ऐसी कई गतिविधि चलती हैं जिनके कारण और भी हादसे सामने आ सकते हैं। लेकिन प्रशासन की मिली भगत के कारण ऐसे अवैध धंधे आसानी से चल रहे हैं। यह प्रशासन की मिली भगत और भ्रष्टाचार का मामला दिखाई देता है। क्षेत्र अवैध गैस सिलेंडरों की रिफिल का बड़ा कारोबार चल रहा है। इसी तरह क्षेत्र अवैध बेकरी चल रही है, जो आग जैसे किसी भी हादसों को जन्म देती है। इन बेकरियों के कारण प्रदूषण फैलता है और आसपास गंदगी रहती है। अवैध होटल जिनके पास फूड लाइसेंस और स्वच्छता प्रमाण पत्र नहीं है और क्षेत्र में सबसे ज्यादा गंदगी का कारण है। लेकिन सरकारी अधिकारी या प्रशासन सिर्फ हादसा होने पर ही जागता है।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का नि:शुल्क वैवाहिक सम्मेलन सांगानेर में संपन्न

-11 जोड़ों ने लिया भाग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के गांव गवार में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा एक भव्य एवं निःशुल्क वैवाहिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सामाजिक एकता और संस्कारों के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 11 जोड़ों ने अपने भावी जीवनसाथी के चयन की दिशा में कदम बढ़ाए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य राजानंद शास्त्री ने दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। इस अवसर पर आचार्य ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में समाज की एकता पर बल देते हुए कहा, "ब्राह्मणों की संस्थाएँ भले अनेक हों, पर हम सभी एक हैं। समाज की उन्नति के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।" उन्होंने समाज बंधुओं से ऐसे सम्मेलनों को जारी रखने का आह्वान किया ताकि युवाओं को संस्कारित जीवनसाथी मिल सकें। आचार्य ने आयोजन समिति को अयोध्या धाम एवं हनुमानगढ़ी मंदिर का प्रतीक स्वरूप भेंट किया। साथ ही, उन्होंने सम्मेलन में शामिल वर-वधुओं को अयोध्या श्रीरामलला एवं हनुमानगढ़ी का दुपट्टा पहनाकर आशीर्वाद दिया और उनके खुशहाल जीवन की कामना की। यह सफल आयोजन, आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण थावलया, मंत्री अशोक गालरिया, एवं कोषाध्यक्ष अभिनन्दन और हनुमान के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन बृजेश जोड़ली द्वारा किया गया, जिसे उपस्थित समाजबंधुओं ने खूब सराहा। सम्मेलन में अजमेर किशनगढ़ से राधेश्याम गौतम, प्रेमशंकर गौतम (अध्यक्ष खुर्रा), भानु प्रकाश (अध्यक्ष टोंक रोड समिति), मनीष जाजड़ा (बीकानेर), जगमोहन (अध्यक्ष निवाई), समाजसेवी बृजेश जोड़ली और महावीर गुहाड़िया सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। यह आयोजन समाज की एकता और सहयोग भावना का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा।

राजस्थान में स्लीपर कोच बसों का चक्का जाम

-सरकार को 10 करोड़ का राजस्व नुकसान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में निजी स्लीपर कोच बसों की आज पूर्ण हड़ताल रही। पूरे राज्यभर में बसों के पहिए थम जाने से लगभग 25,000 यात्री अपनी यात्रा से वंचित रहे। निजी बस संचालकों की हड़ताल से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) भी यात्रियों को वैकल्पिक सेवा देने में असमर्थ रहा। बस ऑपरेटर एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण साहू ने बताया कि सरकार की हठधर्मिता के चलते स्लीपर कोच संचालक मजबूरी में चक्का जाम पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर कोच बसों के बंद रहने से आज ही सरकार को करीब 10 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। इसमें डीजल पर लगने वाला वैट, टोल टैक्स से होने वाली आय (लगभग ₹5 प्रति किलोमीटर), तथा यात्रियों द्वारा दिए जाने वाले 5% जीएसटी का हिस्सा तीनों ही प्रभावित हुए हैं। साहू ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकाला, तो यह नुकसान प्रति दिन बढ़ता जाएगा।संगठन के अनुसार, बस संचालक सरकार से स्लीपर कोच के परमिट नियमों और टैक्स ढांचे में राहत की मांग कर रहे हैं। "हम चाहते हैं कि सरकार संवाद करे, समस्या का समाधान निकाले, ताकि जनता को असुविधा न हो और राज्य का राजस्व भी बच सके।"

पार्षद को काटने वाले कुत्ते को नगर निगम की टीम नहीं पकड़ पायी

-वार्ड-131 के पार्षद गोविंद छीपा को कुत्ते ने काट लिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या और उनकी आक्रामता को नगर निगम हमेशा ही नकारता रहा है। लेकिन शनिवार को एक कुत्ते ने वार्ड-131 के पार्षद गोविंद छीपा को काट लिया। पार्षद छीपा उस समय मालवीय नगर ए-ब्लॉक में सफाई का जायजा ले रहे थे। जेईएन अक्षिता, एस आई दीपचंद व जमादार हेमराज ने बहु मुश्किल उनको बचाया। बाद में पार्षद मालवीय नगर सेक्टर-3 स्थित डिस्पेंसरी पहुंचे और इलाज करवाया। उन्होंने पशु नियंत्रण शाखा प्रभारी को भी डॉग बाइट की शिकायत दी। इलाज की पर्ची भी भेजी। पशु नियंत्रण प्रभारी राकेश कुमार ने शिकायत पर गाड़ी वार्ड में भेजी थी, जो रात तक वही रही, लेकिन पार्षद को काटने वाला कुत्ता नहीं मिला। कुत्ते पकड़ने वाले टीम को कुत्ता दिनभर दौड़ता रहा, लेकिन पकड़ में नहीं आया। पशु नियंत्रण शाखा जयपुर शहर में तब ही सक्रिय होती है जब कुत्ता किसी नागरिक को काट लेता है।

नगर निगम हेरिटेज में अवारा कुत्तों की बढ़ी तादाद -

जयपुर नगर निगम हेरिटेज के वार्डों में आए दिन डॉग वाइट की खबरें आती रहती है। जयपुर शहर के सबसे ज्यादा अवारा कुत्ते चारदीवारी क्षेत्र, ईदगाह क्षेत्र, जयसिंहपुरा, नाई की थड़ी क्षेत्र में पाए जाते हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में मीट की अवैध दुकानों के होने के कारण अवारा कुत्ते इनके आसपास ही बने रहते हैं। इन क्षेत्रों में बच्चों, बड़ों एवं महिलाओं को कुत्ते द्वारा काटने के समाचार अखबारों में छपते रहते हैं। नगर निगम हेरिटेज की पशु नियंत्रण शाखा यहां सिर्फ कागजी साबित हो रही है। कभी-कभी कुत्ते काटने की शिकायते ज्यादा आने लगती है तो जरूर कुत्ते पकड़ने की गाड़ी भेजकर खानापूर्ति करली जाती है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में सरकारी सिस्टम काफी कमजोर है। ज्यादातर कर्मचारी और अधिकारी काम करना नहीं चाहते हैं। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कोई भी सरकारी एजेंसी इसको सुधारने का प्रयास नहीं कर रही है।

ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ राजस्थान की बैठक आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ राजस्थान के राज्य सम्मेलन करने के लिए 2 नवम्बर 2025 को कुमारानंद हॉल हथरोई गढी विधायक पुरी थाने के पीछे जयपुर में अयाज खान की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। जिसमें आल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के राज्य महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने संस्था पूर्व किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। अधिवक्तागण इकरामउल्लाह खान, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद शमीम ने तंजीम के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं वर्तमान समस्या S.I.R. पर कार्य किए जाने के लिए सुझाव दिये। राज्य कोषाध्यक्ष गुफरान खान ने तंजीम को राज्य में सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक फंड इकट्ठा करने के लिए सभी से तन मन धन से सहयोग का आव्हान किया। जयपुर शहर के मुदब्बिर खान, मोहम्मद नाजिर, मोहम्मद नसीम, तसववुर खान, मोहम्मद आरिफ, शेख़ इकबाल कुरैशी, तनवीर अहमद ने नशा विरोधी अभियान चलाने व सवाई माधोपुर अध्यक्ष सलीम खान ने सम्मेलन से पूर्व सदस्यता बढ़ाने की शपथ ली। कई जिलों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दिसंबर माह में नवीन कार्यकारिणी का गठन करना तय किया गया। सम्मेलन दिनांक की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष / महासचिव से राय कर घोषित की जाएगी।

कक्षा 6 की छात्रा अमायरा की मृत्यु अत्यन्त दुखद- मुहम्मद नाजिमुद्दीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कक्षा 6 की छात्रा अमायरा के स्कूल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद मृत्यु हो जाने की घटना अत्यन्त दुखद है। इस घटना पर जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होने कहा कि यह घटना दिल दहलाने वाली है। इस दुख की घड़ी में हम शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। उन्होनें कहा कि स्कूलों में इस तरह की घटनाएं एक चिंता का विषय है जिसके कारणों की सही से जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि हमारे स्कूल, शिक्षा पद्धति, अध्यापकों का व्यवहार और स्कूल का वातावरण स्वस्थ है या छात्र-छात्राएं किसी दबाव व प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं? इस बात की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि छात्रा अमायरा किसी अन्य दुविधा में तो नहीं थी जिसे वह किसी के साथ साझा नहीं कर पा रही थी? इस प्रकार की घटनाएं शिक्षाविदों और मनोविज्ञानिकों के लिए गहन अध्ययन का विषय है। उन्होने प्रशासन से मांग की कि वह इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए शिक्षा विभाग को सजग करें कि वह शालाओं की सही स्थिती की जांच कराएं और इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े इन्तेज़ाम किए जाएं ताकि छात्रों की सुरक्षा का सही प्रबंध किया जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

अपहरण कर लूट करने के तीन अभियुक्त बापर्दा गिरफ्तार

-परिवादी को सोशल मीडिया ऐप्प के जरिये बिजनेस करने का झांसा देकर की अपहरण व लूट की वारदात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 18 अक्टूबर 2025 को परिवादी मुकेश कुमार वासवानी द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि 17 अक्टूबर 2025 को सुबह सोशल मीडिया एप्प से एक अज्ञात लड़के से आनलाईन बात हुई। वहा उसने मुझे बिजनेस प्लान बताया और मिलने का बोला फिर वह टेलीग्राम से बात करने पर वह मिलने के लिए बोला जब मैं उसके पास मिलने के लिये गया ता स्वीफ्ट कार मैं बिठाकर मुझे लेकर गया तथा थोडा आगे चलने पर उसके और साथी कार मैं बैठ गये तथा मेरे साथ मारपीट करने लग गये तथा मुझे लेकर दिल्ली बाईपास रोड पर गये वहाँ पर मेरे साथ मारपीट की तथा मेरे मोबाईल को छीनकर उससे आनलाईन रूपये निकाल लिये। रूपये निकालने के पश्चात मुझे दिल्ली बाईपास रोड पर पटककर चले गये।

गठन पुलिस टीम का विवरण-

अपहरण व लूट की वारदात को गंभीरता से लेते हुए राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व में जगदीश नारायण उप निरीक्षक, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि लालसिंह न. 11689, कानि रतिराम न. 9200 कानि प्रदीप न. 9209, कानि नफेसिंह न. 6038 साईबर एक्सपर्ट टीम से नन्छूराम कानि. 9260 की टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर दस्तयाब किया गया है। अभियुक्तगण का एक साथी विकास मीणा फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध रूप से स्मैक बेचते महिला नेहा कुरैशी को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार महिला के कब्जे से 06 ग्राम 45 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व बिक्री राशि 2,900 रूपये किये जप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने जानकारी देते हुये बताया 30 अक्टूबर को पुलिस आयुक्त आयुक्त जयपुर के निर्देशअनुसार जिला जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करो व बेचने वालो वह नशा करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन "क्लीन स्वीप' के तहत समस्त थानाधिकारियों को अधिक से अधिक कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये जिस पर कार्यवाही करने हेतू अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पूर्व आशाराम चौधरी (RPS) व सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर सुश्री लक्ष्मी सुधार (RPS) के निर्देशअनुसार व अरूण कुमार (पु.नि.) पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जिला जयपुर पूर्व एवं बन्ना लाल (उ.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व के संयुक्त नेतृत्व मे जिला विशेष टीम व पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों व स्मैक सप्लाई करने व बेचने वालो के विरूद्ध आंसूचना संकलन कर सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुऐ अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाले के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ईलाके में कार्यवाही करते हुये महिला नेहा कुरैशी पत्नी आर्यन उर्फ अशोक उम्र 23 साल जाति-मुसलमान निवासी मकान नं. 477, मस्जिद वाली गली, कच्ची बस्ती आजाद नगर जवाहर नगर बाईपास रोड़ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर आरोपी से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 06 ग्राम 45 मिलीग्राम व बिक्री राशि 2,900 रूपये जप्त किये गये। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मुकदमा नं. 256/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपी नेहा कुरैशी ने पूछताछ में बताया कि में 20-25 दिन से स्मैक का काम करने लगी हूं। मैं स्मैक को बेचने वालो से तीन हजार से 4 हजार के प्रति ग्राम के हिसाब से खरीदती हूं जिसमें से में छोटी-छोटी पूड़िया बनाकर 300 रूपये प्रति टोकन के हिसाब से बेचती हूं। मुझे यह काम करते 20 से 25 दिन हो गये। में रोज 20 से 30 टोकन प्रति दिन बेच देती हूं। आरोपी से अनुसंधान हेतू पुलिस थाना जामड़ोली में पूछताछ जारी।

सेंट्रल पार्क का नाम बदलकर किया भैरोसिंह शेखावत पार्क

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रेटर नगर निगम ने जयपुर में कई पार्कों, सड़कों, पुलों एवं सर्किलों का नाम बदल दिया है। नगर निगम महापौर और पार्षदों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले नगर निगम ग्रेटर की बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की ओर से बदले गए स्थानो की सूची किस प्रकार है-

वर्तमान नाम	-	नवीन नाम
टोंक रोड	-	भैरोसिंह शेखावत मार्ग
सेंट्रल पार्क	-	भेंरोसिंह मेमोरियल पार्क
भारत जोड़ो सेतु	-	सरदार वल्लभभाई पटेल सेतु
रामनिवास बाग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	-	डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र
झोटवाड़ा आरओबी	-	वीर दुर्गादास राठौड़ सेतु
जनता स्टोर सर्कल (बापू नगर)	-	चित्रगुप्त सर्कल
गोल्यावास सर्कल	-	भगवान परशुराम सर्कल
प्रतापनगर चौराहा	-	भगवान परशुराम चौराहा
जगतपुरा सात नम्बर चौराहा	-	श्री खाटू श्याम सर्कल

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

कांग्रेस को फायदा मिलेगा क्रिकेटर अजरुद्दीन को मंत्री बनाकर !

जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव से पहले तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्व क्रिकेटर और पूर्व सांसद मोहम्मद अजरुद्दीन को केबीनेट मंत्री बनाया है। कांग्रेस को मोहम्मद अजरुद्दीन को राज्य सरकार में केबीनेट मंत्री बनाने का कितना फायदा मिलेगा, यह अभी नहीं पता लगेगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी की मंशा है कि तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट और बिहार विधानसभा चुनाव में मोहम्मद अजरुद्दीन की ब्रांड वैल्यू का फायदा उठाया जाए। वैसे तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में अजरुद्दीन करीब 16 हजार मतो से चुनाव हार गए थे। फिर भी क्रिकेटर अजरुद्दीन की तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में अच्छी ब्रांड वैल्यू है। कांग्रेस जानती है कि जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर एक लाख मुस्लिम मतदाता है। यहां मुस्लिम कांग्रेस का वोट बैंक नहीं है। यहां से कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव चुनाव लड़ रहे हैं। यदि मुसलमानों का कांग्रेस को समर्थन मिल गया तो कांग्रेस यह उपचुनाव आसानी से जीत सकती हैं। कांग्रेस ने क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन को कैबिनेट मंत्री बनाकर मुसलमानों को सामाजिक एकता और विकास का संदेश दिया है। मंत्री बनने के बाद मोहम्मद अजरुद्दीन मंत्री के रूप में मुस्लिम समुदाय को सरकार के विकास कार्यों से जोड़ सकते हैं। दूसरी तरफ क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन बिहार विधानसभा चुनावों में संघनरूप से प्रचार कर सकते हैं। क्योंकि बिहार में मुसलमानों का बड़ा वोट बैंक है। यदि बिहार का मुसलमान क्रिकेटर और पूर्व सांसद मोहम्मद अजरुद्दीन से प्रभावित होता है तो कांग्रेस को चुनावी फायदा मिल सकता है। कांग्रेस बिहार में करीब 61 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन जितनी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, उनमें से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीतना चाहती है। दर्जनों सीटों पर मुस्लिमों की बहुलता है। यदि कांग्रेस बिहार में पहले से ज्यादा सीट जीतकर आती है तो कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव और देश की राजनीति में बड़ा फायदा मिल सकता है। कांग्रेस के पास देश में कोई प्रभावी मुस्लिम नेता नहीं बचे हैं जो पूरे देश में मुसलमानों पर प्रभाव रखते हो। इसलिए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी से बिहार में बड़ी संख्या में चुनाव प्रचार करवा रही है। ऐसा लगता है कि तेलंगाना में मोहम्मद अजरुद्दीन को मजबूरी में मंत्री बनाया गया है। तेलंगाना में दो वर्ष से कांग्रेस सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं था। जबकि पहले बीआएस और अन्य पार्टियों में मुस्लिम मंत्री थे। तेलंगाना में 12 से 13 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता है। इसलिए मुस्लिम मतदाताओं को राजी रखना कांग्रेस की मजबूरी है। कांग्रेस ने क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन को राज्य में कैबिनेट मंत्री तो बना दिया है लेकिन उसको तेलंगाना विधानसभा की एक सीट पर हो रहे उपचुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव में कितना फायदा मिलेगा चुनाव के बाद ही पता लग पाएंगा।

बहादुर शाह ज़फ़र – अंतिम मुग़ल बादशाह थे

(जन्म: 24 अक्टूबर 1775 – मृत्यु 7 नवंबर 1862)

> **“जब तक हमारे ग़ाज़ियों के दिलों में ईमान की खुशबू रहेगी,
> तब तक हिंदुस्तान की तलवार लंदन के सिंहासन के सामने चमकती रहेगी।”**
>
> **-बहादुर शाह ज़फ़र**

बहादुर शाह द्वितीय, जिन्हें उनके काव्यात्मक शीर्षक बहादुर शाह ज़फ़र से जाना जाता है । बीसवें और अंतिम मुग़ल सम्राट और उर्दू कवि थे । वह एक नाममात्र सम्राट थे, जिनका अधिकार दिल्ली के चारदीवारी शहर तक सीमित था, लेकिन 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप भर में विद्रोही ताकतों द्वारा उन्हें भारत का सम्राट माना गया। युद्ध में विद्रोहियों की हार के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा दिसंबर 1857 में ज़फ़र को ब्रिटिश-नियंत्रित बर्मा के रंगून में निर्वासित कर दिया गया था। बहादुर शाह ज़फ़र के पिता, अकबर द्वितीय, अंग्रेजों द्वारा कैद कर लिए गए थे और वे अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में उनकी पसंद नहीं थे। अकबर शाह की एक रानी ने उन पर अपने बेटे, मिर्ज़ा जहाँगीर को अपना उत्तराधिकारी घोषित करने का दबाव डाला। हालाँकि, ईस्ट इंडिया कंपनी ने लाल किले में उनके निवास पर हमला करने के बाद जहाँगीर को निर्वासित कर दिया, जिससे बहादुर शाह के सिंहासन ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहादुर शाह ज़फ़र ने एक ऐसे मुग़ल साम्राज्य पर शासन किया, जो 19वीं सदी के आरंभ तक केवल दिल्ली शहर और पालम तक के आस-पास के क्षेत्र तक सिमट कर रह गया था। मराठा साम्राज्य ने 18वीं शताब्दी के दौरान दक्कन में मुग़ल साम्राज्य का अंत कर दिया था और भारत के वे क्षेत्र जो पहले मुग़ल शासन के अधीन थे, या तो मराठों द्वारा अवशोषित कर लिए गए थे या उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी और छोटे राज्य बन गए थे। मराठों ने मराठा सेनापति महादजी शिंदे के संरक्षण में शाह आलम द्वितीय को 1772 में गद्दी पर बिठाया और दिल्ली में मुग़ल मामलों पर आधिपत्य बनाए रखा। ईस्ट इंडिया कंपनी उन्नीसवीं सदी के मध्य में भारत की प्रमुख राजनीतिक और सैन्य शक्ति बन गई। कंपनी द्वारा नियंत्रित क्षेत्र के बाहर, सैंकड़ों राज्यों और रियासतों ने अपनी भूमि का विखंडन कर दिया 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद, अंग्रेजों ने उन्हें दिल्ली से रंगून में निर्वासित कर दिया।

बहादुर शाह ज़फ़र एक प्रसिद्ध उर्दू कवि थे, जिन्होंने कई उर्दू ग़ज़लें लिखी थीं । हालाँकि उनकी रचनाओं का कुछ हिस्सा 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान खो गया या नष्ट हो गया, फिर भी एक बड़ा संग्रह बच गया, जिसे कुल्लियात-ए-ज़फ़र में संकलित किया गया। उनके द्वारा संचालित दरबार में मिर्ज़ा ग़ालिब, दाग़ देहलवी, मोमिन ख़ान मोमिन और मोहम्मद इब्राहीम ज़ौक़ (जो बहादुर शाह ज़फ़र के गुरु भी थे) सहित कई प्रसिद्ध उर्दू विद्वानों, कवियों और लेखकों का निवास था। जैसे ही 1857 का भारतीय विद्रोह फैला, सिपाही रेजिमेंट दिल्ली के मुगल दरबार में पहुंच गयीं। 12 मई 1857 को, ज़फ़र ने कई वर्षों में अपनी पहली औपचारिक मुलाक़ात की। जब सिपाही पहली बार बहादुर शाह ज़फ़र के दरबार में पहुँचे, तो उन्होंने उनसे पूछा कि वे उनके पास क्यों आए हैं, क्योंकि उनके पास उनका भरण-पोषण करने का कोई साधन नहीं था। बहादुर शाह ज़फ़र का आचरण अनिर्णायक था। हालाँकि, जब उन्हें बताया गया कि उनके बिना वे ईस्ट इंडिया कंपनी से नहीं जीत पाएँगे, तो उन्होंने सिपाहियों की माँगों को मान लिया।

16 मई को सिपाहियों और महल के सेवकों ने बावन यूरोपीय लोगों को मार डाला, जो महल के कैदी थे और शहर में छिपे हुए पाए गए थे। ज़फर के विरोध के बावजूद, महल के सामने एक पीपल के पेड़ के नीचे उनको फाँसी दी गई। एक बार जब वह उनके साथ शामिल हो गया, तो बहादुर शाह द्वितीय ने विद्रोहियों की सभी कार्रवाइयों की

जिम्मेदारी ले ली। बाद में यह माना गया कि बहादुर शाह सीधे तौर पर नरसंहार के लिए जिम्मेदार नहीं था।

दिल्ली की घेराबंदी के दौरान जब अंग्रेजों की जीत निश्चित हो गई, ज़फर ने हुमायूं के मकबरे में शरण ली, जो उस समय दिल्ली के बाहरी इलाके में था। मेजर विलियम हॉडसन के नेतृत्व में कंपनी की सेना ने मकबरे को घेर लिया और 20 सितंबर 1857 को ज़फर को पकड़ लिया गया। अगले दिन, हॉडसन ने उनके बेटों मिर्ज़ा मुग़ल और मिर्ज़ा ख़िज्र सुल्तान, और पोते मिर्ज़ा अबू बख्त को दिल्ली गेट के पास खूनी दरवाज़े पर गोली मार दी और दिल्ली पर कब्ज़ा होने की घोषणा कर दी।

यह मुकदमा सिपाही विद्रोह का परिणाम था और 21 दिनों तक चला, 19 सुनवाइयाँ हुईं, 21 गवाह और फ़ारसी व उर्दू में सौ से ज़्यादा दस्तावेज़, उनके अंग्रेज़ी अनुवादों के साथ, अदालत में पेश किए गए। यह लाल किले में चलाया जाने वाला पहला मुकदमा था। ज़फ़र पर चार मामलों में मुकदमा चलाया गया और आरोप लगाए गए:

1. सैनिकों के विद्रोह में सहायता और प्रोत्साहन देना
2. ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने में विभिन्न व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना और सहायता प्रदान करना
3. हिंदुस्तान की संप्रभुता ग्रहण करना
4. ईसाइयों की हत्या का कारण बनना और उसमें सहायक होना।

मुकदमे के 20वें दिन बहादुर शाह द्वितीय ने इन आरोपों से अपना बचाव किया। अपने बचाव में बहादुर शाह ने सिपाहियों की इच्छा के आगे अपनी पूरी लाचारी जताई। सिपाही जाहिर तौर पर खाली लिफाफों पर अपनी मुहर लगाते थे, जिनके बारे में उन्हें बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती थी। हो सकता है कि बादशाह सिपाहियों के सामने अपनी नपुंसकता को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हों, लेकिन सच्चाई यही है कि सिपाहियों ने खुद को इतना ताकतवर महसूस किया था कि वे किसी पर भी अपनी शर्तें थोप सकते थे। बयासी वर्षीय कवि-राजा को विद्रोहियों ने परेशान किया और वह न तो कोई वास्तविक नेतृत्व देने के लिए इच्छुक थे और न ही सक्षम थे। इसके बावजूद, विद्रोह के मुकदमे में उन्हें मुख्य आरोपी बनाया गया। ज़फ़र के सबसे भरोसेमंद और उनके प्रधानमंत्री व निजी चिकित्सक, हकीम अहसानुल्लाह ख़ान ने ज़ोर देकर कहा था कि ज़फ़र विद्रोह में शामिल न हों और उन्होंने अंग्रेज़ों के सामने आत्म-समर्पण कर दिया है।

हॉडसन द्वारा आत्म-समर्पण की गारंटी का सम्मान करते हुए, ज़फ़र को मौत की सज़ा नहीं दी गई, बल्कि रंगून, बर्मा में निर्वासित कर दिया गया। उनकी पत्नी ज़ीनत महल और परिवार के कुछ शेष सदस्य उनके साथ गए। 7 अक्टूबर 1858 को सुबह 4 बजे, ज़फ़र अपनी पत्नियों और दो शेष बेटों के साथ लेफ्टिनेंट ओममानी की कमान में 9वीं लांसर्स के साथ बैलगाड़ियों में रंगून की ओर रवाना हुए।

1862 में, 87 वर्ष की आयु में वे बीमार पड़ गए। अक्टूबर में उनकी हालत बिगड़ गई। उन्हें “शोरबा खिलाया गया” लेकिन 3 नवंबर तक उन्हें यह भी मुश्किल लगने लगा। 6 नवंबर को, ब्रिटिश कमिश्नर एचएन डेविस ने दर्ज किया कि ज़फ़र “स्पष्ट रूप से पूरी तरह से निष्क्रियता और गले के क्षेत्र में पक्षाघात के कारण डूब रहे हैं”। उनकी मृत्यु की तैयारी के लिए डेविस ने चूना और ईंटें इकट्ठा करने का आदेश दिया और उनके दफ़न के लिए “ज़फ़र के बाड़े के पीछे” एक जगह चुनी गई। ज़फ़र का निधन शुक्रवार, 7 नवंबर 1862 को सुबह 5 बजे हुआ। ज़फ़र को शाम 4 बजे यांगून में श्वेडागोन पैगोडा रोड के चौराहे के पास, 6 ज़िवाका रोड पर श्वेडागोन पैगोडा के पास दफनाया गया। 16 फरवरी 1991 को उनकी कब्र की बरामदगी के बाद बहादुर शाह ज़फर की दरगाह वहां बनायी गयी थी।

बहादुर शाह ज़फ़र एक कट्टर सूफ़ी थे । उन्हें एक सूफ़ी पीर माना जाता था और वे मुरीदों या शिष्यों को स्वीकार करते थे। समाचार पत्र दिल्ली उर्दू अख़बार ने उन्हें “उस युग के अग्रणी संतों में से एक, ईश्वरीय दरबार द्वारा अनुमोदित” के रूप में वर्णित किया। अपने राज्याभिषेक से पहले, वे अपने तीन शाही भाइयों, मिर्ज़ा जहाँगीर, सलीम और बाबर से अलग, “एक गरीब विद्वान और दरवेश ” की तरह रहते थे।

एक कवि के रूप में, ज़फ़र ने रहस्यमय सूफ़ी शिक्षाओं की उच्चतम सूक्ष्मताओं को आत्मसात किया। वह रूढ़िवादी सूफ़ीवाद के जादुई और अंधविश्वासी पक्ष में भी विश्वास करते थे। अपने कई अनुयायियों की तरह, उनका मानना था कि एक सूफ़ी पीर और सम्राट दोनों के रूप में उनकी स्थिति ने उन्हें आध्यात्मिक शक्तियाँ दीं। एक घटना में जिसमें उनके एक अनुयायी को साँप ने काट लिया था, ज़फ़र ने उसे “ बेज़ार की मुहर ” (ज़हर का एक पत्थर का मारक) और कुछ पानी, जिस पर उन्होंने साँस ली थी, उसे पीने के लिए देकर उसे ठीक करने की कोशिश की। यह दर्शन उनके दरबार द्वारा लागू किया गया था, जिसमें एक बहु-सांस्कृतिक समग्र हिंदू-इस्लामी मुगल संस्कृति शामिल थी। उन्होंने दरबार में राखी, होली, दिवाली आदि कई हिंदू त्योहार मनाए। ज़फ़र शिया मुसलमानों के प्रति भी सहिष्णु थे, जिन्होंने उनके अधीन मुगल दरबार में अपना खोया प्रभाव वापस पा लिया था।

अग्रणी मुस्लिम महिलाएँ: शांत क्रांतिकारी के रूप में उभरती हुई

भारत के जीवंत लोकतंत्र की पच्चीकारी में, जहाँ परंपरा और आधुनिकता स्वरों की एक स्वर-संगीत में टकराती हैं, मुस्लिम महिलाएँ शांत क्रांतिकारियों के रूप में उभर रही हैं, रूढ़िवादिता द्वारा थोपी गई काँच की छतों को एक ऐसी गरिमा के साथ तोड़ रही हैं जो उनके अडिग संकल्प को झुठलाती है। अधीनता या चुप्पी के पुराने आख्यानों की छाया से दूर, ये महिलाएँ कक्षाओं, अखाड़ों, अदालतों और में सुर्खियों में हैं, उनकी कहानियाँ राष्ट्रीय विमर्श के ताने-बाने में बुनी जा रही हैं। पिछले दो वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंटों के धूल भरे मैदानों से लेकर संसद के पवित्र हॉल तक, उन्होंने न केवल व्यक्तिगत सफलताएँ हासिल की हैं, बल्कि नीतिगत बहसों और मीडिया उन्माद को भी भड़काया है जो समकालीन भारत में एक मुस्लिम महिला होने के मूल अर्थ को ही चुनौती देते हैं। त्याग, आनंद और अवज्ञा की मानवीय धड़कनों से सराबोर उनकी यात्राएँ हमें याद दिलाती हैं कि प्रगति कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि साहस का एक दैनिक कार्य है। शिक्षा के क्षेत्र में, ज्ञान संदेह के सूखे के खिलाफ एक चुनौतीपूर्ण नदी की तरह बहता है। नजमा अख्तर को शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देते हुए भारत के नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया। अगले वर्ष, नईमा अख्तर को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया, जो एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत था, क्योंकि वह मुस्लिम शिक्षा के लिए भारत के अग्रणी संस्थानों में से एक का नेतृत्व करने वाली दूसरी महिला बनीं। मुस्लिम समुदाय का सुधार इस तथ्य से स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में, AISHE रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में मुस्लिम महिलाओं के नामांकन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह शैक्षिक पुनर्जागरण मुंबई के धारावी की व्यस्त गलियों के एक ऑटो-रिक्शा चालक की बेटी अदीबा अनम की कहानी में एक मार्मिक प्रतिध्वनित करता है। 2024 में, अनम ने अपने तीसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा पास की पिछले साल द हिंदू के साथ एक भावुक साक्षात्कार में, अनम ने बताया था कि शिक्षा कोई विलासिता नहीं, बल्कि पलायन का एक ज़रिया है। उनके शब्दों में उनकी उस सहज कमज़ोरी को दर्शाया गया है जो उनकी जीत को मानवीय बनाती है। ग्रामीण महाराष्ट्र के एक ज़िला कलेक्टरेट में अनम की नियुक्ति ने उन्हें नीतिगत सुर्खियों में ला दिया है, जहाँ वे मदरसा सुधारों की वकालत करती हैं, जिसमें STEM पाठ्यक्रम को इस्लामी अध्ययन के साथ शामिल किया जाए। निकहत ज़रीन की मुक्केबाजी कौशल ने पूर्वाग्रह को प्रभावी ढंग से दूर कर दिया है। तेलंगाना के निज़ामाबाद की छोटी मुक्केबाज़ ने 2023 में अपना लगातार दूसरा आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने वियतनाम की गुयेन थी टैम को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया, जिससे नई दिल्ली की भीड़ तालियां बजाने पर मजबूर हो गई। मुक्केबाजी चैंपियन की पारिवारिक विरासत के बावजूद, जिसमें उनके पिता, एक पूर्व राज्य स्तरीय एथलीट भी शामिल हैं, ज़रीन न केवल डटी रहीं, अपने कठोर प्रशिक्षण को रूढ़िवादी रिश्तेदारों की फुसफुसाहटों के साथ संतुलित किया, जिन्होंने रिंग में एक महिला की जगह पर सवाल उठाए थे। इसके बाद हांग्जो में 2023 एशियाई खेलों में उनका कांस्य उस गर्मियों में पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए, हालांकि वह क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई, ज़रीन की यात्रा ने लाखों लोगों को मोहित कर लिया, खजूर और पानी के साथ अपने रमज़ान के उपवास को तोड़ने की उनकी लड़ाई से पहले की रस्म आस्था से प्रेरित धीरज का एक वायरल प्रतीक बन गई। ईएसपीएन और द टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे मीडिया आउटलेट्स ने उनकी कहानी का विश्लेषण किया, जिससे अल्पसंख्यक एथलीटों के लिए खेल के बुनियादी ढांचे पर बहस छिड़ गई और खेल मंत्रालय को 2025 में महिला मुक्केबाजी अकादमियों के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने के लिए प्रेरित किया। ज़रीन का मानवीय स्पर्श - विश्व जीत के बाद कोच रूपेश भाई के साथ उनका अश्रुपूर्ण आलिंगन सुर्खियों को मानवीय बना देता है, दर्शकों को याद दिलाता है कि हर जैब के पीछे एक बेटी है जो बाधाओं को चुनौती देती है। मार्च 2024 में, 16 वर्षीय बहनों ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल चैंपियनशिप में धूम मचा दी, और प्रत्येक ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीता: अंसा ने 48 किग्रा ताओलू इवेंट में और आयरा ने 52 किग्रा में। श्रीनगर की संघर्ष-ग्रस्त सड़कों के बीच पली-बढ़ी, जहाँ खेल के मैदान विरोध प्रदर्शन के मैदान के रूप में भी काम करते थे, जुड़वाँ बहनें अपने साधारण घर में घिसी-पिटी चटाई पर प्रशिक्षण लेती थीं, उनकी माँ की फुसफुसाती प्रार्थनाएँ ही उनकी एकमात्र दर्शक होती थीं। आयरा की उपलब्धियाँ यहीं समाप्त नहीं हुईं; इंडोनेशिया में 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में उनका कांस्य पदक फरवरी 2025 में उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों में उनके रजत पदक से पहले था, जिससे वह विश्व स्तर पर पदक जीतने वाली जम्मू और कश्मीर की पहली महिला बन गईं। एक ऐसे क्षेत्र में जहां पाठ्येतर गतिविधियों में लड़कियों की भागीदारी 10 प्रतिशत से कम है, चिश्ती महिलाओं की कहानी जिसमें वे तलवारों के बेदाग रूप धरती हैं, ने ग्रामीण वुशु शिविरों के लिए 2025 की राज्य पहल को प्रेरित किया है, जिसमें मार्शल आर्ट को मानसिक स्वास्थ्य सहायता के साथ मिश्रित किया गया है।

व्यापार में, ये महिलाएं सिर्फ उद्यमी नहीं हैं; वे आर्थिक मुक्ति की वास्तुकार हैं, जो सांस्कृतिक स्थानों को साम्राज्यों में बदल रही हैं। 2023 की महामारी के आर्थिक कहर के बीच शुरू की गई रूहा शादाब की लेडबाय फाउंडेशन ने 2025 तक 500 से अधिक मुस्लिम महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं में प्रशिक्षित किया है, छात्रवृत्ति और पिच प्रशिक्षण प्रदान किया है जो पूर्ण-ट्यूशन अनुदान पर उनके हार्वर्ड ओडिसी की याद दिलाता है। दिल्ली की एक चिकित्सक, फोर्ब्स इंडिया प्रोफाइल में उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, “विश्वास कोई बाधा नहीं है; यह मेरा खाका है।” उनकी कहानी ने अल्पसंख्यक स्टार्टअप्स के लिए ब्याज-मुक्त सूक्ष्म ऋणों पर नीतिगत चर्चाओं को बढ़ावा दिया है। इसी तरह, मुंबई के भीड़-भाड़ वाले बाजारों में, आयशा तबरेज़ चिनॉय के एस.ए. फूड्स ने 2023 से देश भर के रसोईघरों में स्वाद भर दिया है, पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग के ज़रिए 5,000 घरों तक कलात्मक मैरिनेड पहुँचाए हैं। एक मछुआरे पिता के घर जन्मी, चिनॉय ने नैपकिन पर लिखे रेसिपी कार्ड्स से अपने उद्यम को आगे बढ़ाया; उनके बरिस्ता जार अब शहरी किराना श्रृंखलाओं में आम हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड में उनके 2024 के फीचर ने निवेशकों की रुचि जगाई, जिसके परिणामस्वरूप वाइब्रेंट गुजरात समिट में महिलाओं के नेतृत्व वाले एक्सेलरेटर फंड की घोषणा हुई। ज़रीन के पसीने से भीगे दस्ताने, मुश्ताक के स्याही से सने पन्ने और अख्तर के सुधार के खाके समेत ये छोटे-छोटे चित्र एक ऐसे कोरस में मिलते हैं जो हिसाब-किताब मांगता है। वायरल रीलों से लेकर प्राइम-टाइम स्पेशल तक मीडिया ने उनकी दृश्यता को बढ़ा दिया है, व्यक्तिगत यात्राओं को सार्वजनिक हिसाब-किताब में बदल दिया है जो नीति निर्माताओं पर असमानताओं का सामना करने का दबाव डालते हैं: 2024 सच्चर समिति की समीक्षा न्यायसंगत वित्त पोषण का आग्रह और राष्ट्रीय महासंघों में हिजाब-अनुकूल खेल किटों पर जोर। फिर भी, प्रशंसा के नीचे मानवीय दर्द छिपा है- देर रात तक की शंकाएं, पारिवारिक बातचीत और सार्वजनिक स्थानों पर घूरना। जैसे-जैसे भारत अपनी 2047 शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, अग्रिम पंक्ति में खड़ी ये महिलाएं एक सच्चाई को उजागर करती हैं: रूढ़िवादिता वे एक राष्ट्र को अपनी बेटियों की प्रतिभा के पूरे स्पेक्ट्रम को देखने के लिए आमंत्रित करते हुए, पुनर्परिभाषित करते हैं।

अबू अली सीना

एक वक्त था जब दुनियां में मुसलमानों का बोलबाला था उस दौर में मुसलमानों ने नई-नई तहकीकात की और दुनिया के मौजूदा उलूम में नए उसूलों का चलन बढ़ाया ऐसे ही एक मुस्लिम शख्सियत जिन्होंने अपने उलूम और तहकीकात की रोशनी यूरोप तक फैलाई, उनके बारे में चंद मालूमात पेश है। इब्न सीना का पूरा नाम अबू अली अल-हुसैन इब्न अब्द अल्लाह इब्न सिना है। यूरोप में लैटिन भाषा में इनका नाम “एविसेना” है और युरोप में इसी नाम से वे जाने जाते हैं।

इब्न सीना का जन्म लगभग 980 ई में बुखारा के पास एक गाँव अफशाना, ईरान में हुआ था [अब उज़्बेकिस्तान में] और मृत्यु सन् 1037 ई में, हमादान, ईरान में एक यात्रा के दौरान ही पेट दर्द से हो गई। उनके पिता, जो संभवतः इस्माइली थे, एक स्थानीय समानी (साम्राज्य के) गवर्नर थे, उनकी माता का नाम सितारा था और वह बुखारा से थीं । कम उम्र में ही उनका परिवार बुखारा आ गया जहाँ उन्होंने इस्माइल ज़ाहिद से हनफ़ी न्यायशास्त्र (फ़िक़्ह) की तालीम हासिल की। इब्न सीना ने 10 वर्ष की अल्पायु में ही संपूर्ण कुरान पढ़ और याद कर लिया था यानी हाफ़िज़ क़ुरान हो गये थे। कई शिक्षकों से चिकित्साशास्त्र का अध्ययन किया, और 18 वर्ष की आयु तक सभी विज्ञानों में महारत हासिल कर ली थी। इब्न सीना ने इस्लामी स्वर्ण युग कहे जाने वाले दौर में लेखन का एक विशाल संग्रह बनाया, जिसमें बाइज़ेंटाइन यूनानी-रोमन, फारसी और भारतीय ग्रंथों के अनुवादों का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया और लगभग 450 पुस्तकें लिखी , जिनमें से 200 से 240 के लगभग पुस्तकें अब भी उपलब्ध है। इब्न सीना, केवल चिकित्सकों और दार्शनिकों में सबसे आगे नहीं थे बल्कि पश्चिम में शताब्दियों तक वे चिकित्सकों के सरदार के रूप में प्रसिद्ध रहे। इब्न सीना के दर्शनशास्त्र और चिकित्सा के अलावा, खगोल विज्ञान, कीमियागरी, भूगोल और भूविज्ञान, मनोविज्ञान, इस्लामी धर्मशास्त्र, तर्कशास्त्र, गणित, भौतिकी और कविता पर लेखन शामिल है।। नूह इब्न मंसूर (शासनकाल 976-997) के समानी दरबार में इब्न सीना ने एक चिकित्सक के रूप में सेवा में प्रवेश किया। इब्न सीना ने वर्तमान ईरान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के कुछ हिस्सों में विभिन्न राजवंशीय शासकों के दरबारी चिकित्सक, राजनीतिक सलाहकार और प्रशासक के रूप में भी कार्य किया। इब्न सीना ने बुखारा में अपनी दो प्रारंभिक रचनाएँ लिखीं। पहली, मक़ाला

फ़ि'ल-नफ़्स, यह पुस्तक समानी शासक को समर्पित एक संक्षिप्त ग्रंथ है जो बुद्धि की अमूर्तता को स्थापित करता है। दूसरी, तत्वमीमांसा पर उनकी पहली प्रमुख रचना, “ प्रोसोडिस्ट के लिए दर्शन” (अल-हिक्मा अल-अरुदिया) थी। बाद में उन्होंने दर्शनशास्त्र के तीन 'विश्वकोश' लिखे। इनमें से पहला अल-शिफा (इलाज) है, हालांकि इसके कुछ हिस्से एक सैन्य अभियान में खो गए। अन्य दो विश्वकोश बाद में इस्फ़हान में लिखे गए थे। पहला, अरबी के बजाय फ़ारसी में है जिसका शीर्षक दानिशनामा- दूसरी रचना अल-इशारत वल-तन्बीहात है। इस्लामी विज्ञान (उलूम) में, उन्होंने चुनिंदा कुरान की आयतों और अध्यायों पर लघु टिप्पणियों की एक श्रृंखला लिखी है। उन्होंने कुछ साहित्यिक रूपक भी लिखे हैं , जिनके दार्शनिक महत्व को लेकर 20 वीं और 21वीं सदी के विद्वानों में तीखी असहमति भी रही है। इब्न सीना की लिखित पुस्तक द ईस्टर्नस (अल-मशरिकियुन) या द ईस्टर्न फिलॉसफी (अल-हिक्मा अल-मशरिकिया), जिसे उन्होंने 1020 के दशक के अंत में लिखा था और जिसका अधिकांश भाग लुप्त हो गया है। इस में उन्होंने बताया कि सच्चा ज्ञान आन्तरिक प्रकाश से आता है अर्थात बुद्धी और अन्तर्ज्ञान को ज्ञान का स्रोत माना है।

इब्न सीना ने तर्कशास्त्र को दर्शनशास्त्र का एक सहायक, एक कला और विज्ञान माना । एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके धर्मशास्त्र—प्रथम कारण और दस बुद्धि—ने उनके दर्शन को, सृष्टिकर्ता के रूप में ईश्वर के प्रति समर्पण और आकाशीय पदानुक्रम के साथ , मध्ययुगीन यूरोपीय दर्शन में आसानी से आयातित(विचारों को आपस में मिलान होने दिया) होने दिया। कई चिकित्सकों ने ऐतिहासिक रूप से इब्न सीना को उनकी संगठनशीलता और स्पष्टता के लिए प्राथमिकता दी। वास्तव में, यूरोप के महान चिकित्सा विद्यालयों पर उनका प्रभाव प्रारंभिक आधुनिक काल तक फैला रहा। चिकित्सा के क्षेत्र में इब्न सीना की किताब कैनन (अल-क़ानून फ़ी अल-तिब्ब) प्रमुख स्रोत बन गयी । यह पुस्तक पाँच पुस्तकों में विभाजित है। पहली पुस्तक में चार ग्रंथ हैं, जिनमें से पहला पेरगाम के यूनानी चिकित्सक गैलेन के चार द्रव्यों (रक्त, कफ, पीत पित्त और काला पित्त) के आलोक में चार तत्वों (पृथ्वी, वायु, अग्नि और जल) की जाँच करता है। पहले ग्रंथ में शरीर रचना विज्ञान भी शामिल है। दूसरा ग्रंथ एटियलजि (किसी बीमारी, विकार या स्थिति के कारणों और उत्पत्ति के अध्ययन को कहते हैं) और लक्षणों की जाँच करता है, जबकि तीसरा स्वच्छता, स्वास्थ्य और बीमारी, और मृत्यु की अनिवार्यता को कवर करता है। चौथा ग्रंथ एक चिकित्सीय नोसोलॉजी (रोग का वर्गीकरण) और आहार- विधि व उपचारों का एक सामान्य अवलोकन है। कैनन की दूसरी पुस्तक “मटेरिया मेडिका” है, तीसरी पुस्तक “सिर से पैर तक के रोगों” को कवर करती है, चौथी पुस्तक “कुछ अंगों से संबंधित नहीं होने वाली बीमारियों” (बुखार और अन्य प्रणालीगत और हास्य संबंधी विकृतियाँ) की जाँच करती है, और पाँचवीं पुस्तक “मिश्रित औषधियाँ” (जैसे, थेरियाक्स, मिथ्रिडेट्स, इलेक्टुअरी और रेचक) प्रस्तुत करती है। दूसरी और पाँचवीं पुस्तकों में लगभग 760 सरल और मिश्रित औषधियों का महत्वपूर्ण संग्रह है जो गैलेन के विकृति विज्ञान पर विस्तार से प्रकाश डालता है। उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकें 'द बुक ऑफ़ हीलिंग', द फिलॉसॉफिकल एंड साइंटिफिक इनसाइक्लोपीडिया और 'द कैनन ऑफ़ मेडिसिन' हैं, जिन्हें मेडिकल इनसाइक्लोपीडिया भी कहा जाता है।

इब्न सीना इस्लामी स्वर्ण युग के सबसे प्रमुख चिकित्सकों, खगोलविदों, विचारकों और लेखकों में से एक रहे हैं और उन्हें आधुनिक चिकित्सा के जनक के रुप में भी जाना जाता है। इब्न सीना ने दुनिया में आधुनिक चिकित्सा के साथ साथ अन्य उलूम में भी बहुत काम किया जिसके लिए आज भी उनका नाम ज़िन्दा है।

-फ़ज़लुर्रहमान

RRB में 2569 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

-31 अक्टूबर से आवेदन शुरू, एज लिमिट 33 साल

रेलवे भर्ती बोर्ड में आरआरबी जूनियर इंजीनियर, डीएमएस और सीएमए भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को फॉर्म में करेक्शन करने के लिए 03 दिसंबर से 12 दिसंबर तक का समय दिया जाएगा।

आवेदन शुरू 31 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 30 नवंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
सिविल/मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा या बीई/बीटेक की डिग्री
डिपॉट मटेरियल सुपरिंटेंडेंट : किसी भी इंजीनियरिंग क्षेत्र में 3 वर्षीय डिप्लोमा
केमिकल एंड मेटालर्जिकल असिस्टेंट : फिजिक्स, केमिस्ट्री के साथ बीएससी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
एसटी/एससी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 500 रुपए
एससी, एसटी, महिला, दिव्यांग : 250 रुपए

सैलरी :
35400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
सीबीटी-1 : सब्जेक्ट :
गणित, सामान्य बुद्धिमत्ता और तर्क, सामान्य जागरूकता और सामान्य विज्ञान
क्वेश्चन टाइप : एमसीक्यू
मार्क्स : 100
ड्यूरेशन : 90 मिनट
नेगेटिव मार्किंग : एक-तिहाई अंक
सीबीटी- 2 :
क्वेश्चन टाइप : एमसीक्यू
क्वेश्चन नंबर : 150

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

नेवल शिप रिपेयर यार्ड में 210 पदों पर भर्ती

-8वीं, 10वीं पास को मौका, सभी के लिए नि:शुल्क

नेवल शिप रिपेयर यार्ड में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। इस भर्ती के लिए पद के अनुसार एक से दो साल की ट्रेनिंग दी जाएगी।

आवेदन शुरू 24 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 23 नवंबर 2025

वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
नेवल शिप रिपेयर यार्ड कारवा (एक साल की ट्रेनिंग)	168
नेवल शिप रिपेयर यार्ड कारवा (दो साल की ट्रेनिंग)	12
नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड गोवा (एक साल की ट्रेनिंग)	30

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 8वीं, 10वीं, आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 14 वर्ष
अधिकतम : 18 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 3,400 - 9,600 रुपए प्रतिमाह

एग्जाम पैटर्न :
ओएमआर बेस्ड
मार्क्स : 100
ड्यूरेशन : 2 घंटे
नेगेटिव मार्किंग : नहीं

पद का नाम	पदों की संख्या
मैथ्स	35
साइंस	35
जीके	30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल पोर्टल www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
होमपेज पर जाकर अपनी प्रोफाइल डिटेल्स कंप्लीट करें।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में जनरल मैनेजर की भर्ती

-एज लिमिट 62 साल, सैलरी ढाई लाख से ज्यादा

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (DMRC) की ओर से जनरल मैनेजर के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवारों को इस भर्ती के लिए ऑफलाइन आवेदन करना होगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ बी.बी.ई./बी.टेक. (सिविल) या समकक्ष डिग्री
रेलवे, केंद्र या राज्य सरकार के विभागों या किसी सार्वजनिक उपक्रम में कार्य करने का अनुभव
कंप्यूटर एप्लीकेशन का नॉलेज होना चाहिए।

एज लिमिट :
पद के अनुसार 55 से 62 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करके इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।

सैलरी :
12,0000 - 2,80,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
DMRC की ऑफिशियल वेबसाइट delhimetrorail.com पर जाकर फॉर्म डाउनलोड करें।
इसे संबंधित डॉक्यूमेंट्स अटैच करके "कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मेट्रो भवन, फायर ब्रिगेड लेन, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली" के पते पर भेज दें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

ISRO में 10वीं पास के लिए निकली भर्ती

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर, अहमदाबाद ने टेक्नीशियन 'B' और फार्मासिस्ट 'A' पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट careers.sac.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
24 अक्टूबर से 13 नवंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
टेक्नीशियन B : 10वीं पास, आईटीआई की डिग्री
फार्मासिस्ट A : फार्मेसी में फर्स्ट क्लास डिप्लोमा

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 35 वर्ष
आयु की गणना 13 नवंबर 2025 के अनुसार की जाएगी।
आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी वर्गों के उम्मीदवारों को 500 रुपए फीस देना होगी।
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को परीक्षा होने के बाद 400 रुपए वापिस कर दिए जाएंगे।
अन्य सभी उम्मीदवारों को 500 रुपए वापिस किए जाएंगे।

सैलरी :
टेक्नीशियन B : 21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह
फार्मासिस्ट A : 29,200 - 92,300 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम
ट्रेड, स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ISRO SAC की वेबसाइट careers.sac.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Recruitment सेक्शन में जाकर Technician/Pharmacist 2025 लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद 'Apply Online' लिंक पर क्लिक करके आवेदन फॉर्म भरें।
सभी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

राजस्थान में जमादार के 72 पदों पर निकली भर्ती

-एज लिमिट 40 साल, 12वीं पास करें अप्लाई

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने जमादार ग्रेड द्वितीय भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू 17 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 15 नवंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास
कंप्यूटर में O लेवल या कोई अन्य हाई लेवल सर्टिफिकेट कोर्स किया हो।
COPA/कंप्यूटर में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट।
शारीरिक योग्यता : हाइट :
पुरुष : 168 सेमी
महिला : 152 सेमी
सीना (केवल पुरुषों के लिए) : 81 सेमी, 5 सेमी फुलाव भी होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयुसीमा में नियमानुसार छूट मिलेगी

फीस :
सामान्य वर्ग क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस/दिव्यांग : 400 रुपए

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल-5 के आधार पर

एग्जाम पैटर्न :
ड्यूरेशन : 2 घंटे
प्रश्नों की संख्या : 100
निगेटिव मार्किंग : एक तिहाई अंक
सब्जेक्ट : सामान्य ज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल,इतिहास, कला एवं संस्कृति, दैनिक विज्ञान, मैथ्स, राजस्थान से संबंधित उच्च माध्यमिक स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Recruitment Advertisement" सेक्शन पर क्लिक करें।
"RSSB जमादार ग्रेड 2 भर्ती 2025" लिंक चुनें।
रजिस्ट्रेशन करें और फॉर्म में जरूरी जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस का ऑनलाइन भुगतान करके आवेदन जमा करें।
आगे की जरूरत के लिए फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर रखें।

एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी में 131 पदों पर भर्ती

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने 131 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 17 अक्टूबर से शुरू हो गई है। उम्मीदवार वेबसाइट mppgcl.mp.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 15 नवंबर तय की गई है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, 1 साल का कंप्यूटर डिप्लोमा, साथ में सीपीसीटी सर्टिफिकेट होना चाहिए।
संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री, डिप्लोमा, 3 से 5 साल का अनुभव।

फीस :
जनरल : 1200 रुपए
एससी, एसटी, ओबीसी
पीडब्ल्यूडी, ईडब्ल्यूएस : 600 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
19,500 -1,77,500 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mppgcl.mp.gov.in पर जाएं।
"Recruitment 2025" सेक्शन में जाकर पद चुनें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

36-45: अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Economy, Science & Technology)

41.मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) का उपयोग क्या है?
a) गैस स्टोरेज और सेपरेशन b) न्यूक्लियर रिएक्शन
c) ड्रोन टेक्नोलॉजी
d) सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट
उत्तर: a) गैस स्टोरेज और सेपरेशन
स्पष्टीकरण: नोबेल केमिस्ट्री 2025 का आधार।

42. क्वांटम टनलिंग का संबंध किससे है?
a) कणों का ऊर्जा बाधा पार करना
b) रेडियो तरंगें
c) गुरुत्वाकर्षण
d) चुंबकीय क्षेत्र
उत्तर: a) कणों का ऊर्जा बाधा पार करना
स्पष्टीकरण: सुपरकंडक्टर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग में।

43. DIA योजना 2025 किसने लॉन्च की?
a) RBI b) SIDBI
c) NABARD d) SEBI
उत्तर: b) SIDBI
स्पष्टीकरण: उद्योग संघों के विकास के लिए।

44. रेड सी की अधिकतम गहराई कितनी है?
a) 1,000 मीटर b) 2,040 मीटर
c) 3,040 मीटर d) 4,000 मीटर
उत्तर: c) 3,040 मीटर
स्पष्टीकरण: अफ्रीका-अरब प्रायद्वीप के बीच।

45. IMC 2025 का आयोजन किसने किया?
a) संचार मंत्रालय और COAI
b) ISRO और DRDO
c) RBI और SEBI
d) MSDE और CII
उत्तर: a) संचार मंत्रालय और COAI
स्पष्टीकरण: डिजिटल इंडिया को बढ़ावा।

46-50: महत्वपूर्ण दिवस, खेल और पुरस्कार (Important Days, Sports & Awards)

46. विश्व दृष्टि दिवस 2025 कब मनाया गया?
a) 8 अक्टूबर b) 9 अक्टूबर
c) 10 अक्टूबर d) 11 अक्टूबर
उत्तर: b) 9 अक्टूबर
स्पष्टीकरण: नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता के लिए।

47. CEAT क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स 2025 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार किसे मिला?
a) सचिन तेंदुलकर
b) बीएस चंद्रशेखर और ब्रायन लारा
c) विराट कोहली
d) एमएस धोनी
उत्तर: b) बीएस चंद्रशेखर और ब्रायन लारा
स्पष्टीकरण: 9 अक्टूबर को क्रिकेट में योगदान के लिए।

48. संजू सैमसन को अक्टूबर 2025 में किस विदेशी लीग का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया?
a) ला लीगा
b) इंग्लिश प्रीमियर लीग
c) बिग बैश लीग
d) मेजर लीग सॉकर
उत्तर: b) इंग्लिश प्रीमियर ली
स्पष्टीकरण*: भारत में प्रचार के लिए।

49. राष्ट्रीय डाक दिवस 2025 कब मनाया गया?
a) 8 अक्टूबर b) 9 अक्टूबर
c) 10 अक्टूबर d) 11 अक्टूबर
उत्तर: c) 10 अक्टूबर
स्पष्टीकरण: डाक सेवाओं की भूमिका को दर्शाता है।

50. भारतीय वायुसेना का मोटो क्या है?
a) जय हिंद b) नभः स्पृशं दीप्तम्
c) भारत माता की जय
d) वंदे मातरम्
उत्तर: b) नभः स्पृशं दीप्तम्
स्पष्टीकरण: अर्थ: "टच द स्काई विद ग्लोरी"।

तैयारी टिप्स- - अभ्यास: इन 50 MCQs को हल करें और गलतियों पर नोट्स बनाएं।
महत्वपूर्ण: रोज 20-30 MCQs हल करें और तथ्यों को रिवाइज करें।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

लो ब्लड प्रेशर में कौन सा नमक खाना चाहिए? जानिए कौन देता है जल्दी आराम

अगर आपको अक्सर चक्कर आने, थकान महसूस होने, सिर दर्द या कमजोरी जैसी समस्या होती है, तो यह लो ब्लड प्रेशर यानी हाइपोटेंशन (Hypotension) का संकेत हो सकता है। आमतौर पर जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर स्तर 90/60 mmHg से नीचे चला जाता है, तो इसे लो बीपी कहा जाता है। यह स्थिति शरीर में खून के कम प्रवाह और ऑक्सीजन की कमी के कारण होती है। इससे दिल, दिमाग और अन्य अंगों को पर्याप्त रक्त नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को बेहोशी तक आ सकती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर अक्सर नमक (Salt) के सेवन की सलाह देते हैं, क्योंकि नमक में मौजूद सोडियम (Sodium) ब्लड प्रेशर को बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि लो बीपी में कौन सा नमक खाना चाहिए — साधारण नमक या सेंधा नमक (पिंक सॉल्ट)? आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

नमक और ब्लड प्रेशर का संबंध

नमक हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी मिनरल है। इसमें पाया जाने वाला सोडियम क्लोराइड (NaCl) शरीर में फ्लूइड बैलेंस और नर्व फंक्शन को नियंत्रित करता है। जब किसी व्यक्ति का बीपी लो होता है, तो शरीर में फ्लूइड रिटेंशन (Fluid Retention) की कमी हो जाती है। सोडियम इस फ्लूइड को बनाए रखने में मदद करता है और इससे खून की मात्रा (Blood Volume) बढ़ती है। जब खून की मात्रा बढ़ती है, तो ब्लड प्रेशर भी नैचुरली ऊपर आ जाता है। इसी कारण डॉक्टर लो बीपी के मरीजों को नमक युक्त पानी पीने या नमक युक्त भोजन लेने की सलाह देते हैं।

साधारण नमक (Refined Salt) बनाम सेंधा नमक (Rock Salt)

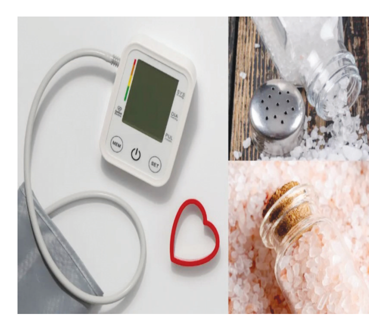

लो बीपी में कौन सा नमक बेहतर है — यह जानने से पहले दोनों की खासियत जान लेते हैं।

साधारण नमक (Refined Salt)

यह वही नमक है जो हम रोज़मर्रा के खाने में इस्तेमाल करते हैं। इसे आयोडीन युक्त (Iodized) बनाया जाता है ताकि शरीर में आयोडीन की कमी न हो। इसमें मुख्य रूप से सोडियम क्लोराइड ही पाया जाता है। इसकी प्रोसेसिंग के दौरान इसके कई नेचुरल मिनरल्स खत्म हो जाते हैं। लो बीपी की स्थिति में यह नमक तात्कालिक राहत दे सकता है क्योंकि इसमें सोडियम की मात्रा अधिक होती है। परंतु, अधिक मात्रा में सेवन से शरीर में पानी रिटेन होने लगता है और किडनी पर असर पड़ सकता है।

सेंधा नमक (Pink Salt या Rock Salt)

सेंधा नमक एक नैचुरल और बिना केमिकल वाला नमक होता है। इसमें सोडियम के साथ-साथ पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक जैसे कई अन्य मिनरल्स भी पाए जाते हैं। यह आयुर्वेद में भी अत्यंत फायदेमंद माना जाता है। सेंधा नमक शरीर के इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बनाए रखता है और डिहाइड्रेशन को रोकता है। लो बीपी के मामलों में सेंधा नमक सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है क्योंकि यह ब्लड प्रेशर को धीरे-धीरे और नेचुरल तरीके से बढ़ाता है, साथ ही शरीर को ज़रूरी मिनरल्स भी देता है।

लो बीपी में सेंधा नमक कैसे लें?

यदि आपका बीपी बार-बार नीचे चला जाता है, तो नीचे दिए गए कुछ घरेलू उपाय मददगार हो सकते हैं:

नमक वाला पानी: आधा ग्लास गुनगुने पानी में आधा छोटा चम्मच सेंधा नमक डालें और धीरे-धीरे पी लें। इससे तुरंत ब्लड प्रेशर बढ़ाने में मदद मिलती है।

नींबू पानी में नमक: एक गिलास नींबू पानी में सेंधा नमक और थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है।

नमकीन लस्सी या छाछ: सेंधा नमक डालकर बनाई गई लस्सी या छाछ भी लो बीपी में फायदेमंद होती है।

सूप या नारियल पानी में नमक: गर्म सूप या नारियल पानी में चुटकीभर सेंधा नमक डालकर पिया जा सकता है। यह शरीर को ऊर्जा और मिनरल्स दोनों देता है।

कितना नमक लेना चाहिए?

भले ही लो बीपी वाले लोगों के लिए नमक फायदेमंद है, लेकिन इसकी मात्रा डॉक्टर की सलाह पर ही तय करनी चाहिए। अधिक नमक का सेवन किडनी, दिल और ब्लड वेसल्स पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आमतौर पर, सामान्य व्यक्ति के लिए प्रतिदिन 5-6 ग्राम (लगभग 1 चम्मच) नमक पर्याप्त माना जाता है। लो बीपी में थोड़ी मात्रा बढ़ाई जा सकती है, लेकिन डॉक्टर की सलाह ज़रूरी है।

सुबह खाली पेट पपीते के सेवन से होते हैं अनेक फायदे, कई बीमारियों में है लाभकारी

पपीते को 12 मासी फलों गिना जाता है। यदि हम इसका प्रतिदिन खाली पेट सेवन करते हैं तो हमें कई बीमारियों में फायदा मिल सकता है। पपीते में विटामिन सी मौजूद होता है जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को दूर करने में लाभकारी होता है।

पपीते के फायदे

पपीते को 12 मासी फलों गिना जाता है। यदि हम इसका प्रतिदिन खाली पेट सेवन करते हैं तो हमें कई बीमारियों में फायदा मिल सकता है। पपीते में विटामिन सी मौजूद होता है जा हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को दूर करने में लाभकारी होता है। पपीते का सेवन हमारी पाचन क्रिया के लिए भी जरूरी माना जाता है यदि हम प्रतिदिन इसका सेवन करते हैं तो हमारी पाचन क्रिया में सुधार देखने को मिलता है।

यदि हम प्रतिदिन 1 से 2 पपीते (papaya) का सेवन करते हैं तो हमें उचित मात्रा में विटामिन ए , विटामिन सी और अच्छी मात्रा में फाइबर और अन्य पोषक तत्वों की कमी दूर होती है।

इन बीमारियों में करें पपीते का सेवन

पाचन क्रिया खराब होने पर : पपीता (papaya) में पाया जाने वाला पाचक एंजाइम पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है, जिससे एसिडिटी, गैस, और कब्ज़ की समस्याएँ नियंत्रित हो सकती हैं।

डायबिटीज : पपीता का सेवन करने से रक्त शर्करा स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे डायबिटीज के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

हृदय रोग : पपीता में पोटैशियम और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय रोग की रिस्क कम होती है।

कैंसर : पपीता (papaya) में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कैंसर के खिलाफ लड़ने में सहायक होते हैं, विशेष रूप से कोलोरेक्टल कैंसर को रोकने में।

वजन नियंत्रण : पपीता कम कैलोरी और अधिक फाइबर का स्रोत होता है, जो वजन नियंत्रण में मदद कर सकता है।

आंत्रिक संक्रमण : पपीता में विटामिन सी और विटामिन ए की अच्छी मात्रा होती है, जो आंत्रिक संक्रमण से लड़ने में मदद कर सकता है।

आंतों के रोग : पपीता में मौजूद फाइबर सेहतमंद आंतों के लिए लाभकारी होती है, जिससे आंतों के रोग जैसे डिवर्टिकुलाइटिस का खतरा कम होता है।

सुबह खाली पेट पपीते के फायदे

मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी : पपीता में मौजूद विटामिन सी के सेवन से स्वास्थ्य लाभों के साथ-साथ मानसिक तनाव को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

कैंसर का खतरा कम करता है : पपीता में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं और स्वस्थ शरीर को बनाए रख सकते हैं।

हड्डियों को मजबूत : पपीता में मौजूद विटामिन क और मैग्नीशियम की उपलब्धता हड्डियों की सेहत को सुधार सकती है और आपको अच्छी हड्डियों के लिए मजबूत बना सकती है।

अलर्जी को कम करता है : पपीता खाने से आपकी शरीर के अलर्जीक प्रतिक्रियाएँ कम हो सकती हैं और आपको अलर्जी से राहत मिल सकती है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाएं

60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक अब केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष योजनाओं के तहत कई वित्तीय, स्वास्थ्य और सामाजिक लाभ उठा सकते हैं। इन लाभों का उद्देश्य बुजुर्गों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करना है। इनमें नियमित आय, टैक्स छूट, मुफ्त इलाज और यात्रा सुविधाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए समय पर आवेदन करना जरूरी है। सही दस्तावेजों के साथ आवेदन करने से लाभ जल्दी मिलते हैं।

वरिष्ठ नागरिक लाभ योजना 2025

सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योजनाएं शुरू की हैं। इनका उद्देश्य उन्हें आर्थिक स्थिरता और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। इन योजनाओं के तहत पेंशन, ब्याज लाभ, टैक्स छूट और विशेष सेवाएं शामिल हैं। इनका लाभ लेने के लिए समय पर आवेदन करना आवश्यक है। सही दस्तावेजों के साथ आवेदन करने से लाभ जल्दी मिलते हैं।

योजना का ओवरव्यू

वित्तीय लाभ

वरिष्ठ नागरिकों के लिए वित्तीय सहायता कई रूपों में उपलब्ध है। इनमें से एक प्रमुख योजना वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS) है। इसमें 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं। इस योजना में वर्तमान में 8.2% की ब्याज दर दी जा रही है। न्यूनतम निवेश 1,000 रुपये है और अधिकतम निवेश 30 लाख रुपये तक हो सकता है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, जिससे निवेश सुरक्षित रहता है। इसके अलावा, बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर अतिरिक्त ब्याज मिलता है। कुछ स्मॉल फाइनेंस बैंक 8.15% तक की ब्याज दर दे रहे हैं। यह लाभ उन लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो निवेश पर निर्भर हैं।

यात्रा और बैंकिंग सुविधाएं

वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा के दौरान विशेष सुविधाएं मिलती हैं। रेलवे स्टेशनों पर उनके लिए अलग लाइन होती है, जिससे वे बिना लंबी कतार में खड़े हुए टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि रेलवे टिकट पर छूट फिलहाल बंद है, लेकिन भविष्य में फिर से शुरू हो सकती है। कई राज्यों में बस यात्रा पर 40% से 50% तक की छूट दी जाती है। हरियाणा में हैप्पी कार्ड योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को साल में 1000 किमी तक की मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाती है। इसके लिए एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले लोग पात्र हैं। बैंकों में भी उनके लिए अलग लाइन और त्वरित सेवा उपलब्ध है।

कानूनी अधिकार और सुरक्षा

वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007 के तहत बुजुर्गों के कानूनी अधिकारों की सुरक्षा की गई है। इसके तहत माता-पिता और बुजुर्गों की देख-भाल और भरण-पोषण का अधिकार दिया गया है। अगर कोई उन्हें उनके अधिकारों से वंचित करता है तो वह कानूनी कार्रवाई के दायरे में आता है। सरकार ने नि:शुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था भी की है। इसके तहत बुजुर्गों को बिना किसी शुल्क के कानूनी सलाह और सहायता मिलती है। इससे उनकी संपत्ति और अधिकारों की रक्षा होती है। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए विशेष अदालतें भी स्थापित की गई हैं

ओआरएस के नाम पर बेचे जा रहे महंगे फ्रूट ड्रिंक

डॉ. तोहिद

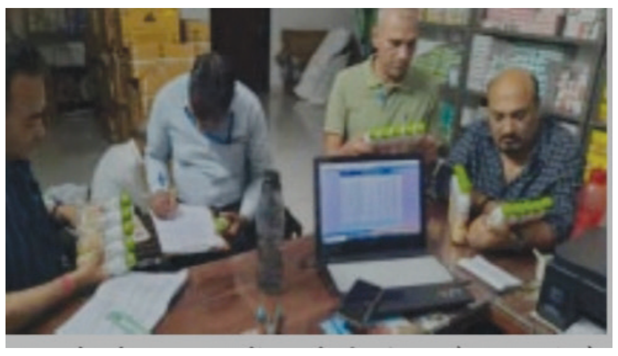

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा में फूड विभाग ने बड़ी कार्रवाई की जिसके चलते आमजन को सेहत के नाम पर गुमराह किया जा रहा बाजार में ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट्स) जैसे नामों से फ्रूट ड्रिंक और पेय पदार्थ बेचे जा रहे हैं। ये उत्पाद दिखने और नाम से ओजारएस जैसे लगते हैं, लेकिन वास्तव में ये दवा नहीं बल्कि सिर्फ फ्लेवर्ड ड्रिंक हैं। दस रुपए के असली ओआरएस पैकेट की जगह लोगों को 45 से 50 रुपए का पेय पदार्थ दे दिया जाता है। जो दस्त जैसी बीमारियों में किसी भी तरह का लाभ नहीं देता।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉक्टर टी. शुभमंगला के निर्देश पर,सीएमएचओ कोटा डॉक्टर नरेंद्र नागर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा दल ने न्यू अर्जुन विहार प्रथम स्थित एक फार्मेसी फर्म पर बड़ी कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि फर्म अमृतांजन इलेक्ट्रो रिहाइड्रेट एप्पल ड्रिंक नामक रेडी टू सर्व पेय को ओआरएस के रूप में बेच रही थी। टीम ने मौके से 200-200 मिलीलीटर की 110 मूल बोतलें, कुल 22,000 एमएलसीज किया और नमूना जांच के लिए भेजा जांच के दौरान फर्म का खरीद बिल अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड तमिलनाडु का पाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित ड्रिंक ब्रांडों को रिकॉल करवाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। डॉ. नरेंद्र नागर ने बताया कि असली ओआरएस दवा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 केपंजीकृत और डीसीजीआई द्वारा मान्यता प्राप्त उत्पाद है, जिसका उपयोग डायरिया और डिहाइड्रेशन केइलाज में किया जाता है। जबकि बाजार में मिल रहे ये पेय पदार्थ केवल फ्रूट बेस्ड या नॉन-कार्बोनेटेड ड्रिंक हैं। जिनका औषधीय उपयोग नहीं किया जा सकता। भ्रामक नामों वाले कुछ उत्पादों में ओआरएस अल इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक, पेपरबॉट स्विंग जूसी ओआरएस, स्टेफिट, ओआरएस फिट, अमृतांजन इलेक्ट्रोलाइट, बॉडी आर्मर, फ्रूटॉस, फास्टअप रिलोड जैसे ब्रांड शामिल हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्रवीर सिंह, अरुण सक्सेना, संदीप अग्रवाल और मोजीलाल कुंभकार शामिल रहे।

भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन का सघन जन संपर्क जारी

-धन बल के सामने मैं गरीब किसान का बेटा मुझे सेवा का अवसर दें- मोरपाल सुमन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन का सघन जनसंपर्क लगातार जारी है रविवार को सुमन कोयला, टापरिया, मानपुरा, खेड़ली केशो, मीणा का टापरा, पीलिया, बोरडी, राजपुरा, आदि गाँवो मे घर घर जाकर 11 नवम्बर को होने वाले मतदान मे अधिक से अधिक भाजपा के पक्ष में वोट देने का आह्वान किया। जनसंपर्क के दौरान ग्रामवासियों ने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन का बढ़ चढ़कर उत्साह के साथ माला दुपट्टा वह साफा बंदी कर स्वागत व अभिनंदन किया वही प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने कोयला मे मातृभूमि को प्रणाम कर कहां की ये राजा और रंक की लड़ाई है एक तरफ धन बल बाहुबली प्रत्याशी है दूसरी तरफ में एक गरीब किसान का बेटा हूं भारतीय जनता पार्टी ने मुझे प्रत्याशी बनाकर हजारों लाखों करोड़ों गरीब किसान परिवारों का मान बढ़ाया है अतः मेरी आपसे विनम्र अपील है की 11 तारीख को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक कमल के फूल के निशान पर बटन दबाकर विजयश्री का आशीर्वाद देकर सेवा करने का अवसर दे। जनसंपर्क के दोरान बारां अटरु विधायक राधेश्याम बैरवा, भाजपा नेता मुकेश केरवालिया, विक्की शर्मा, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पारेता सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता पदाधिकारी व समर्थक मौजूद रहे।

अंता विधानसभा उप चुनाव

-ईवीएम मशीनों का किया द्वितीय रेण्डमाईजेशन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उप चुनाव में उपयोग ली जाने वाली ईवीएम व वीवीपैट मशीनों का द्वितीय रेण्डमाईजेशन रविवार को मिनी सचिवालय सभागार में किया गया। इस दौरान पर्यवेक्षक सुभाश्री नन्दा, पुलिस पर्यवेक्षक गगनदीप गम्भीर, जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि निर्वाचन में पारदर्शिता के तहत 11 नवम्बर को मतदान में उपयोग ली जाने वाली वोटिंग मशीनों का कम्प्यूटर साफ्टवेयर के माध्यम से दूसरा रेण्डमाइजेशन किया गया है। इनमें से 268 ईवीएम मतदान बूथों के लिए निर्धारित की गई। इसके अलावा ईवीएम की 80-80 कंट्रोल यूनिट व बैलट यूनिट तथा 107 वीवीपैट रिजर्व रखी गई हैं।

मदरसा जामिया अरबिया मदीनतुल उलूम द्वारा जश्ने दस्तारबंदी का आयोजन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मदरसा जामिया अरबिया मदीनतुल उलूम,विज्ञान नगर के तत्वाधान में कुरआन हिफ्ज कर चुके बच्चों की दस्तार बंदी की गई। मदरसे के संस्थापक कारी मोहम्मद आदिल ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि कंसुआ स्थित चिमनी वाले बाबा की दरगाह परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में ज़िंदगी के कई साल लगाकर कुरआन कंठस्थ करने वाले पांच बच्चों को सनद दी गई। उन्होंने बताया कि मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश से आए मुफ्ती मोहम्मद मुस्तकीम थे। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता ने कहा कि तालीम हासिल करने के लिए इस्लाम मज़हब ने अपने अनुयायियों को लाज़मी बताया है। तालीम ही इंसान को ज़िन्दगी जीने का तरीका सिखाती है। कार्यक्रम ने बोलते हुए महाराष्ट्र से आए अन्य वक्ता जामियतुल उलमा संगठन के उप कोषाध्यक्ष कारी मोहम्मद युनूस नक्शबंदी ने कहा कि इस समय मुसलमानों को अपने किरदार को कुरान के मुताबिक बनाने की जरूरत है,जिसमें इंसान दोस्ती पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम में बेहतरीन शिक्षा में प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार दिए गए। साथ ही मुस्लिम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने वालों को भी इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुरान की तिलावत से हुई। कार्यक्रम में मुस्लिम समाज की कई महिलाएं,सर्वोदय स्कूल के ए.जी. मिर्ज़ा, एडवोकेट अंसार इंदौरी, हाफिज इमरान, डॉ. मुजाहिद, एड. मोहम्मद रहीम, डॉ.आसिफ मिर्ज़ा, समाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अरशद, हबीबुल्लाह सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अंत में प्रोग्राम के कन्वीनर मौलाना अब्दुल वकील ने आए हुए सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

स्टोन खदानों की देखरेख अब केंद्र सरकार करेगी

-व्यापारी बोले-पत्थर निकालना भी बंद हो जाएगा

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान में कोटा स्टोन की खदाने झालावाड़ जिले में ही संचालित है। जिन्हें माइनर मिनरल्स की श्रेणी में रखा गया है। इन्हें राज्य सरकार के नियमों के तहत संचालित किया जाता है। भारत सरकार के खान मंत्रालय में संयुक्त शासन सचिव अरविंद सारस्वत ने इस विषय में आदेश जारी किए। जिसके तहत एमएमडीआर अधिनियम 1957 की धारा 20ए में अधिसूचना 10 अक्टूबर से चूना पत्थर को प्रधान खनिज घोषित कर रियायत के संबंध में दिशा निर्देश दिए। खान मंत्रालय ने 13 अक्टूबर बताया से कि प्रकरण में खान मंत्रालय अब राज्य सरकार के बजाय भारत सरकार केन्द्र से प्राप्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित करेगा। इससे क्षेत्र में संचालित कोटा स्टोनबजाय केंद्र सरकार करेगी। कोटा स्टोन खदानों को अब मेजर मिनरल्स की श्रेणी में डाल दिया है। ऐसे में संचालित माइंस राज्य सरकार से नहीं बल्कि केंद्र सरकार के विभाग आईबीएमएम की ओर से निर्देशित किया जाएगा। व्यापारियों के अनुसार आईबीएम के नियम अधिक है। वर्तमान में खदानें इतना व्यापार नहीं कर रही है। साथ ही, अधिक नियमों की पूर्ति भी नहीं कर पाएगी। आईबीएम एवं केन्द्र के नए एरिया लंबे चौड़े दिए जा सकते हैं, जो कि सीमेंट इंडस्ट्री में भी दिए जाएंगे। जिसका फैलाव काफी लंबा-चौड़ा होगा। छोटे-छोटे खान व्यवसायी एकमुश्त इतना रुपया नहीं दे पाएंगे। साथ ही, कोटा स्टोन की माइंस भी नहीं ले पाएंगे। इस तरह से सभी कोटा स्टोन की खदानें एवं पत्थर निकालने की प्रक्रिया बंद हो जाएगीलाइम स्टोन माइनिंग एसोसिएशन चेचट और दूसरे खदान मालिकों ने बताया कि यह फैसला बहुत ही गलत है। इससे रामगंजमंडी, झालावाड़-कोटा के कई हिस्से प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों मेंखदानों से जुड़े हुए व्यवसाय जैसे कि फैक्ट्रियां, कटर, ब्रिंगिंग मोटर, रिवाइंडिंग मशीन, फेंसिंग, इलेक्ट्रॉनिक समेत अन्य प्रकार के जुड़े कार्य भी प्रभावित होंगे। जिससे भी समस्या होगी। संगठन के सदस्यों ने बताया कि जल्द इस समस्या को लेकर समाधान के लिए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिला जाएगा।

राईन समाज के चुनाव सम्पन्न

-मुन्ना राईन बने अध्यक्ष जोनी राईन सचिव निर्वाचित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। ज़मीयतुल राईन विकास समिति,कोटा की नई कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को योग भवन विज्ञान नगर में आयोजित हुए। संस्था के रजिस्टर्ड सदस्यों ने मतदान कर अध्यक्ष पद पर मो० शकील उर्फ मुन्ना राईन सचिव पद पर जुल्फिकार उर्फ जोनी राईन का निर्वाचन किया। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर जाकिर हुसैन राईन निर्विरोध निर्वाचित किये गए। समाज के लोगो मे मतदान के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। निर्वाचित सदस्यों ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संरक्षक पद पर मो. हफ़ीज़ को उपाध्यक्ष पद पर मुजफ्फर राईन, शरजील राईन को, सह सचिव पद पर जावेद राईन, आदिल राईन को एवं प्रवक्ता के रूप में शाहरूख राईन को मनोनीत किया। सभी निर्वाचित एवं मनोनीत सदस्यों को माला पहनाकर सम्मानित किया। चुनाव अधिकारी लियाकत राईन, यासिर राईन, गुलरेज राईन व मो. एजाज़ ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न किया।

दुल्हन ही दहेज है, बिना किसी दहेज के अपने लाडले की शादी आयोजित करके मुस्लिम समुदाय में एक मिशाल कायम की

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। अमन खान पुत्र यूसुफ खान पहाड़ियान निवासी झाड़ोद हाल निवासी शहरिया बास प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल लाडनूं के अपने लाडले सुपुत्र की शादी को मुस्लिम समुदाय के बीच एक यादगार पल बना दिया है। यह शादी बिना किसी लेन-देन के सम्पन्न हुई जो क्षेत्र में बनी मिसाल बनी है बिना किसी दहेज और बिना किसी लेनदेन मुस्लिम शरियत के अनुसार बड़ी सादगी के साथ यह शादी सम्पन्न हुई। जहां पांच वक्त की इबादत होती है उसी स्थान यानी के मस्जिद में निकाह पढ़ाया गया, युवा सोच जज्बा और जुनून रखने वाले अमन और युसुफ खां ने अपनी सोच को एक नई दिशा दी है। समाज के दूसरे युवाओं के लिए यह शादी अपने आप में एक प्रेरणादायक साबित होगी तथा बिना किसी लेन-देन के शादी करने की मुहिम का अपने घर से आगाज करके पुरे क्षेत्र में बेहतरीन संदेश दिया है जिसकी चर्चा चारों तरफ की जा रही है। मुस्लिम समुदाय के अलावा अन्य जाति समुदाय के लोगों ने इस शादी की प्रशंसा करते हुए प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक युसुफ खां सहित उनके परिवारजनो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं दुल्हा-दुल्हन के उज्जवल भविष्य और लम्बी उम्र की कामना की है।

प्रमोद भाया ने किया डेढ दर्जन से अधिक गांवों में जनसम्पर्क

-पूर्व मंत्री ममता भूपेश, विधायक भैरोसिंह परिहार,पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा सहित कई नेता जुटे जनसम्पर्क में

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा रविवार 02 नवंबर 2025 को अंता विधानसभा क्षेत्र के डेढ दर्जन से अधिक गांव में पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया तथा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि रविवार को प्रमोद भाया के समर्थन में पूर्व मंत्री एवं प्रदेषाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ममता भूपेश, विधायक भैरोसिंह परिहार, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव धर्मराज मेहरा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा द्वारा भी कई गांवों में जाकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया। प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि मेरे द्वारा सभी जाति, धर्म के लोगों को मेरा परिवार मानकर सेवा भाव से राजनीति करने का प्रयास किया है। जो लोग जाति, धर्म की बातें करते है यह वे लोग है जिन्होनें कभी जाति का भला किया ना कभी धर्म का भला किया। निर्दलीय प्रत्याशी बडी-बडी बाते करते है, इनसे पूछे कि यह छबड़ा में चुनाव लड़ने के बाद वहां के मतदाताओं के हाल पूछने गए भी हो तो। वहां के कई किसान भाईयों की डिपियां उठा ली गई तथा कई के खिलाफ पुलिस में मुकदमें दर्ज हो गए। भाया ने कहा कि यह मैं नही कह रहा बल्कि भाजपा के केबिनेट मंत्री किरोडीलाल मीणा कह रहे है जिसका एक विडियो भी आप लोगों ने सुना होगा जिसमें उन्होनें कहा कि समरावता में भी इन्हें भारतीय जनता पार्टी ने खडा किया था। निर्दलीय प्रत्याशी तो भाजपा के लिए वोट काटने की मशीने है जो टूल बनकर भाजपा का कार्य करते है। मतदाता बहकावे में नही आए तथा अपने वोट की कीमत को पहचानते हुए कांग्रेस पार्टी को विजयी बनावे। पूर्व मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की प्रदेषाध्यक्ष ममता भूपेश, विधायक भैरोसिंह परिहार, पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सत्यनारायण भूमल्या द्वारा रविवार को प्रमोद जैन भाया के पक्ष में कई गांवों में मतदाताओं के बीच पहुंचकर जनसम्पर्क किया गया। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा द्वारा महिला टीम के साथ सीसवाली कस्बे में पहुंच कर डोर-टू-डोर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया तथा विकास के नाम कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी प्रमोद भाया के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कर विजयी बनाने की अपील की गई।

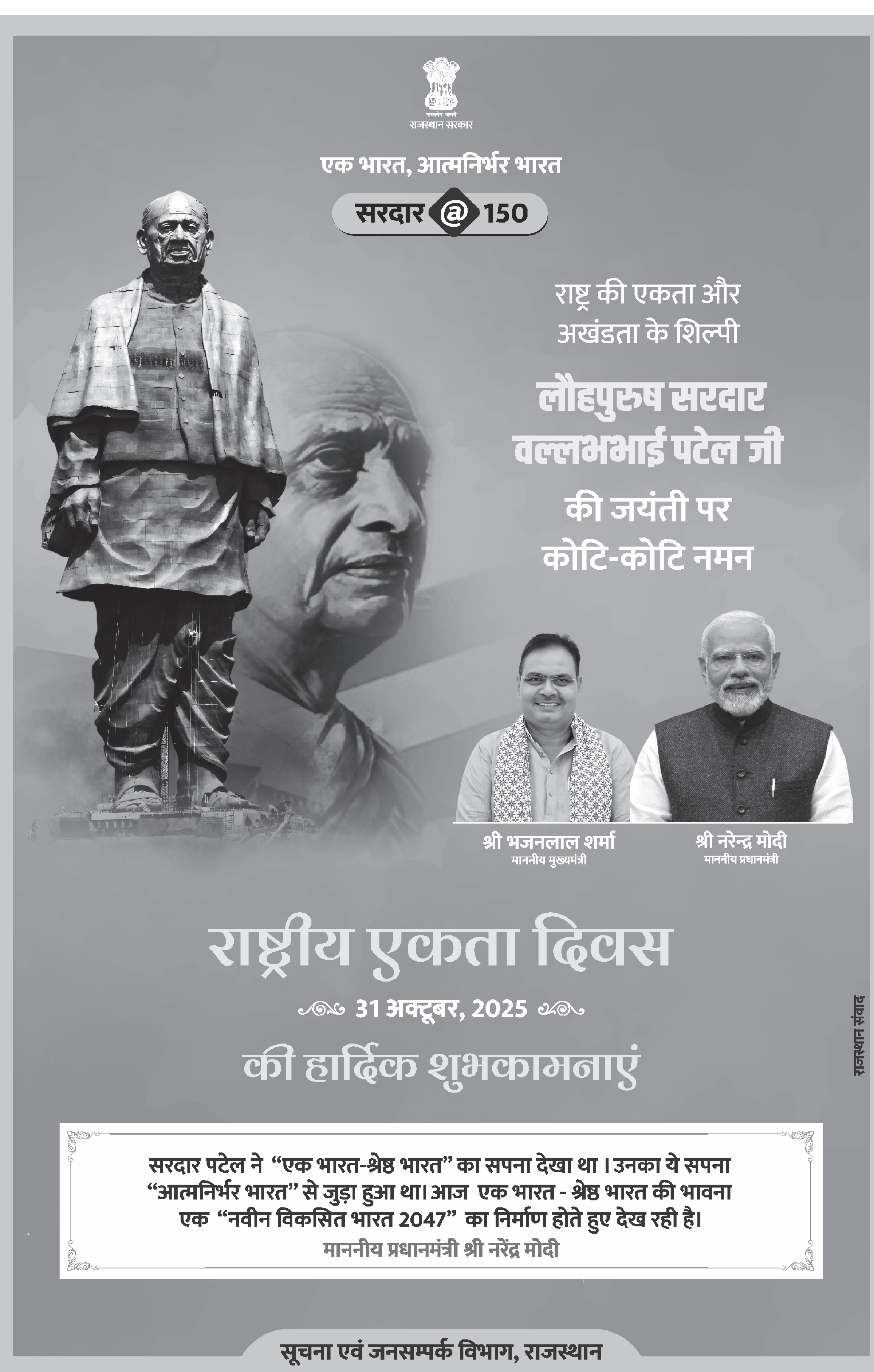

झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में एक ही मरीज के 2 अलग-अलग ब्लड ग्रुप की दी रिपोर्ट

-लापरवाही का लगाया आरोप

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान झालावाड़ मेडिकल कॉलेज SRG चिकित्सालय में ब्लड बैंक कर्मियों द्वारा लापरवाही करते हुए एक ही मरीज की जांच में अलग-अलग ब्लड ग्रुप देने का मामला सामने आया है। मरीज़ नफीसा बेगम जिनका मुंह का कैंसर होने के कारण ऑपरेशन होना था वार्ड के स्टाफ ने नफीसा बेगम के परिजनों को तीन यूनिट ब्लड के इंतजाम करने की बात कही। परिजन ब्लड बैंक जाकर जब पेशेंट की जांच की रिपोर्ट लेकर के आए तो पहले तो ब्लड बैंक कर्मियों ने 29 अक्टूबर को A पॉजिटिव की रिपोर्ट दि फिर 30 अक्टूबर को भी A पॉजिटिव रिपोर्ट दी वही पेशेंट का ऑपरेशन थिएटर में शुगर लेवल बढ़ाने के कारण ऑपरेशन नहीं हो पाया। फिर से जब दोबारा परिजनों ने ऑपरेशन के लिए जांच कराई तो ब्लड बैंक कर्मियों द्वारा नफीसा बेगम का ब्लड ग्रुप A नेगेटिव बता दिया गया। इसके बाद परिजनों ने एक निजी लैब में भी ब्लड किया जांच करवाई जिसमें भी A नेगेटिव ही रिपोर्ट आई इसको लेकर परिजनों ने मीडिया कर्मियों को बुलाकर नाराज़गी जाहिर की। परिजनों ने बताया कि अगर यह ब्लड हमारे मरीज को चढ़ जाता तो कोई बड़ी घटना हो सकती थी इसलिए परिजनों ने झालावाड़ मेडिकल कॉलेज के डीन संजय पोरवाल और झालावाड़ SRG चिकित्सालय अधीक्षक अशोक शर्मा को ज्ञापन देकर अपनी काम में लापरवाही बरतने वाले दोषी ब्लड बैंक गलत जांच करने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कड़ी कार्रवाई करते हुए निलंबन की मांग की, ताकि ऐसी कोई गलती भविष्य में ना हो सके। परिजनों ने भय और डर के कारण अपने मरीज़ नफीसा बेगम जिसका ऑपरेशन होना था उस को भी डिस्चार्ज करा कर झालावाड़ SRG चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया और जल्द ही जिला कलेक्टर झालावाड को ज्ञापन देकर लापरवाही बरतने वाले ब्लड बैंक कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

चूरू शहर में ई-सिगरेट के खिलाफ कार्यवाही, एक गिरफ्तार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि जिला चूरू में नशे की धरपकड़ के खिलाफ जारी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू लोकेन्द्र दादरवाल आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू सुनील कुमार झाझडीया के निकट सुपरवीजन में टीम कोतवाली चूरू एवं कालिका टीम के द्वारा स्कुल कॉलेज के आस पास अवैध धुम्रपान बीडी, सिगरेट, गुटका एवं अवैध नशा बेचने वालो के खिलाफ चैकिंग की गई तो दौराने चैकिंग बालिका महाविधालय के पास स्थित सैनी आर्ट चूरू में संचालक ओमप्रकाश पुत्र रामकुमार सैनी निवासी वार्ड न.38 कस्बा चूरू के कब्जा से अपनी दुकान के अन्दर अवैध रुप से बेची जा रही ई-सिगरेट के कुल 74 पैकेट जब्त किये जाकर गिरफ्तार किया गया। चूरू पुलिस द्वारा अवैध नशा के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है मगर ई-सिगरेट के खिलाफ जिला पुलिस की उक्त प्रथम कार्यवाही है, आगे भी स्कुल कॉलेज के आस पास इस प्रकार का अवैध नशा व धम्रपान की सामग्री बेचने वालो के खिलाफ सतत् कार्यवाही जारी रखी जावेगी। उक्त कार्यवाही पर थाना कोतवाली चूरू मे प्रकरण स. 238/2025 धारा 4/7 इलेक्ट्रोनिक्स सिगरेट का निषेध अधिनियम 2019 में दर्ज कर अनुसंधान जारी है। जब्त सुदा 74 ई-सिगरेट के पैकेट की किमत करीब 25000 रुपये है। उक्त कार्यवाही में कालिका टीम का विशेष योगदान रहा है। स्कुल कॉलेज के आस पास ई-सिगरेट बेचने पर तीन वर्ष की सजा एवं पांच लाख रुपये के जुर्माना का प्रावधान है।

कार्यवाही में शामिल पुलिस टीम: किशनाराम बिश्नोई थाना कोतवाली चूरू, मय टीम कोतवाली चूरू व कौशल्या हैडकानि मन्जू , निरंजन, कृष्णा कालिका टीम चूरू उपस्थित रहे।

सादगी व शरीयत के साथ मस्जिद बारां भाईयान में हुआ निकाह

-पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान के बेटे जुबेर का निकाह सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के प्रमुख शटर व्यवसाई व होटल लजीज के प्रोपराइटर पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान के बेटे जुबेर खान का निकाह शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 को बाद नमाज जुमा मस्जिद बारां भाईयान में असमा खान बेटी मोहम्मद अशरफ के साथ शरीयत के हिसाब से सम्पन्न हुआ। निकाह की इस महफिल में दुल्हन पक्ष से किसी भी तरह का दहेज नहीं लिया गया। न ही लड़की वालों के घर खाने की कोई दावत कुबूल की। समाज में फैली कुरीतियों एवं दहेज प्रथा के खिलाफ ये निकाह बिल्कुल सादगी से सम्पन्न हुआ। निकाह मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी साहब ने पढ़ाया। निकाह शहर के सभी उलेमा ए इकराम की निगरानी में हुआ। निकाह के बाद दूल्हे पक्ष द्वारा दुल्हन को नकद मेहर अदा किया गया। जिसकी चर्चा मजलिस में खूब हुई। इस निकाह के जरिए समाज में संदेश दिया गया कि मेहर लड़की का हक हे जिसे समय पर अदा करना चाहिए। निकाह के बाद दूल्हे पक्ष द्वारा सभी को छुंवारे तकसीम किए गए। निकाह की मजलिस में दूल्हे के चाचा अब्दुल अलीम उर्फ भाई राजा सहित बारां शहर के कई मुअज्जिज लोगों, रिश्तेदारों ओर आमजन ने शिरकत की। निकाह के बाद दुल्हन को सादगी के साथ घर से विदा किया गया।

मात्र एक रूपए में होने वाला 11 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 29 दिसम्बर 2025 को होगा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका) मारवाड़ शेख सैय्यद मुगल पठान विकास समिति जिला जोधपुर का 11 वा मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन 29 दिसम्बर 2025 को जोधपुर मे होगा। जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि आज आज मंडोर तन्हा पीर की दरगाह पर फुल चादर पेस करके जिला बैठक की शुरुआत समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम की अध्यक्षता मे एक अहम बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक को सामुहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष सिकन्दर खान पठान ने संबोधित किया व शेख सैय्यद मुगल पठान बिरादरी समाज के लोगों को व सभी बैठक मे शामिल हुए लोगों को सामुहिक विवाह सम्मेलन से होने वाले फायदे व फिजुल खर्च पर अंकुश लगाने का महत्वपूर्ण महत्व बताया व कम से कम खर्च मे भी अपनी लाडली बच्चीयो की शादी सामुहिक विवाह सम्मेलन में बडे अदब व एतराम के साथ कर सकते हैं। सिकन्दर पठान ने यह भी कहा की मात्र एक रूपए मे यह आयोजन किया जाता है। सामुहिक विवाह सम्मेलन मे एक रूपए के अलावा हम किसी भी प्रकार का कोई भी शुल्क नहीं लेते हैं व हम सभी के साथ मिलकर कार्य को अंजाम देते हैं। उस्ताद हाजी हमीम बक्ष बताया जोधपुर की सर जमीन पर प्रथम बार मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन करने की अलख सन 2012 मे पहली बार जगाई। तब से लेकर आज तक दस बार से ज्यादा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करके कई बच्चीयो के घर बसाये है। यह अनोखा आयोजन अब तक जोधपुर मे दस बार कर दिए इसके अलावा पुरे राजस्थान मे भी यह हमारी मुहिम काम कर रही है और जोधपुर के साथ-साथ पाली, बाली, जेतारण,ब्यावर,सोजत, मेड़तारोड, नागोर,उदयपुर,बीकानेर,जेसे शहरो मे भी मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हो रहे जो की एक प्रेरणा के स्तोत्र है व काबिले तारीफ है। नियामत पठान ने बताया की हम आगे भी समाज के लिए ऐसे आयोजन करके समाज को केसे फायदा पहुंचाया जाए उसके दिल जान लगाकर मेहनत करते रहेंगे।

बैठक में रहे शामिल-

फिरोज खान, इंसाफ अली भाईजान, अजीज पठान, इश्तियाक अली राजु,जीएम शेख, मुंशी भाई,प्रशांत, पार्षद कु जाफ़रान, शाहबाज खान, नदीम इकबाल, इस्लामुद्दीन राजा भाईया,असलम खांन एडवोकेट, उस्ताद शोएब,इकबाल नुरी, शाहरुख शेख,से आरिफ अली, अमजद बक्ष राजु, माजिद खान,आशिफ पठान,मजीद खान, डाक्टर इमरान,शाहिद कागा अयुब खान मंजूर सिद्दीकी,गुलाम मोहम्मद पत्रकार,साकिर पंप्सा मोहम्मद रईस,राजु पठान, मोहम्मद हुसैन, सराफत अली ,मोहम्मद याकुब,साकिर शेख, एजाज मोहम्मद, मोहसिन शेख,रईस बक्ष,इकबाल मुन्ना,शेखावत,आशिफ पठान मोहम्मद आरिफ पठान व अन्य सभी सदस्य व समाज के लोग शामिल रहे।

ट्रेनों के ठहराव के लिए भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड 17 में भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल के हाजी इस्माईल भाटी के नेतृत्व में हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा- हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव के लिए सांसद राहूल कस्वां को अप्रवासियों ने ज्ञापन सौंपा। हाजी भाटी ने बताया कि चूरू जिले के अलावा सीकर, झुंझुनूं सहित राजस्थान के हजारो नागरिक महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवण्डी क्षेत्र में व्यापार के लिए बड़ी संख्या में रहते है। इसलिए अप्रवासियों ने इन स्टेशनों पर हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा- हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव किया जाए। ताकि हम लोगों को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर मोहम्मद रफ़ीक चौहान, हाजी इस्माईल भाटी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, धमेन्द्र बुडानिया, नारायण बालाण, किशोर धांधू, आरिफ़ पीथींसर, सद्दाम हुसैन, शकील चौहान, रफीक चुरुवि, याकूब राजगढ़िया, यूसुफ महबूब भाटी, असगर अली, सलीम मिस्त्री, शौकत चौहान, मुबारक भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, अकरम मंडावरिया, सोयल खान डीके, सलीम पि ए, सिराज खान जोइया, काज़ी अब्बास, हारून मलनस, जाफर नूरवाला आदि मौजूद रहे।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली सामूहिक एकता की शपथ

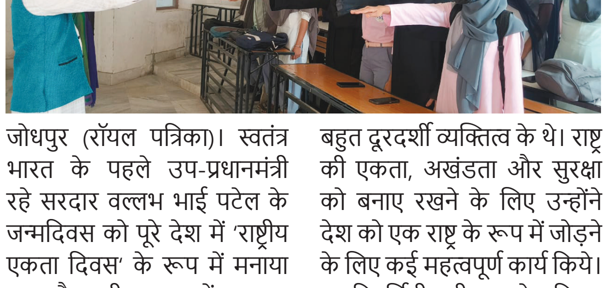

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को पूरे देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी उपलक्ष में शुक्रवार को मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक एकता की शपथ ली। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम जानते हैं। 'सरदार' का अर्थ है 'प्रमुख'। वे बहुत दूरदर्शी व्यक्तित्व के थे। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उन्होंने देश को एक राष्ट्र के रूप में जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये।

यूनिवर्सिटी डीन अकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि वे देश के एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। शपथ समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. लक्ष्मण राम बाला, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद सहित कई स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सांचौर में मेडिकल गोदाम व कॉस्मेटिक दुकान में लगी आग, 3 साल में आठवीं घटना

-आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम नहीं, पालिका के साथ पुलिस की जांच भी सवालों के घेरे में

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर में आगजनी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है शुक्रवार देर रात 2:00 बजे चौधरी धर्मशाला के प्रथम मंजिल पर बने गोदाम व तीन बजे सब्जी मंडी के पास स्थित कोस्टमैट्रिक में आग लगने से अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। हर बार आज दुकानों की बजाय गोदाम में ही लगने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बीते 3 वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर में आगजनी की 8 से ज्यादा ही घटना घटित हुई है इतना ही नहीं मई माह में 15 दिनों में आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हो गई है लेकिन नगर पालिका व प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम की बजाय समय बीतने के साथ ही साथ घटना को भुला देते हैं। पुलिस भी मामले की तरह में गए बिना ही कार्रवाई को ठंडा बस्ती में डालकर जांच की औपचारिकता पूरी कर लेती हैं ऐसे में हाल दिया यहां बनते हैं की निरंतर अंतराल में आग लगने का सिलसिला जारी रहता है जिससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी भगवान भरोसे हैं। शहर में आग लगने की घटनाएं गोदाम में ही होती हैं ऐसे में शहर के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में बार-बार आग लगने की घटना बड़ी वारदात की ओर संकेत कर रही है। शहर में आगजनी की वारदात के बाद व्यापारियों को लाखों का नुकसान होने के बाद भी पुलिस थाने में भी एफआईआर दर्ज होती हैं लेकिन आग लगने के असली कारणों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग से जांच कर पड़ताल करना वह वारदात के बिना तह में गए मामला फाइलों में दफन हो जाता है। मेडिकल के गोदाम व कॉस्मेटिक दुकान में आग की घटना ने नगर पालिका व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं शनिवार तड़के दो वह 3:00 बजे भीषण आग से गोदाम व दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। हर बार आगजनी की वजह शॉर्ट सर्किट बाताकर मामले को रफा दफा कर दिया जाता है ना कोई तकनीकी जांच होती है ना सुरक्षा ऑडिट ना व्यापारियों की ओर से आग से बचाव के इंतजाम किए जाते हैं और नहीं नगर परिषद की ओर से कोई स्थाई उपाय अपनाया जाता है यह स्थिति प्रशासन की गंभीर लापरवाही को उजागर करती हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में एसडीपीआई के पदाधिकारियों ने किया जनसम्पर्क

-शाम को नुक्कड़ सभा आयोजित

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याक्षी नरेश मीणा के समर्थन में रविवार 02 नवंबर को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों द्वारा मांगरोल शहर में सघन जनसंपर्क करके जनसमर्थन मांगा। जनसंपर्क कार्यक्रम में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के जनरल सेकेट्री नदीम अख्तर, स्टेड ट्रेजरार जाकिर रंगरेज, बारां जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज, जिला सचिव अलीम मंसूरी, मांगरोल नगर अध्यक्ष जाकिर हुसैन सहित कई जिले के कई पदाधिकारियों ने मांगरोल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डोर टू डोर सघन जनसंपर्क किया। रात 8 बजे के बाद कर्बला मैदान में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा, पूर्व मंत्री राजेंद्र गुड़ा, एसडीपीआई के राष्ट्रीय सचिव रियाज फिरंगीपेंट, प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन, जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू सहित कई लोगों ने संबोधित करते हुए जनता के सामने अपनी बात रखी। नरेश मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मों का आदर और सभी को साथ लेकर चलूंगा। किसानों भाइयों के लिए सदैव उपलब्ध रहूंगा। आमजन के लिए अगर आंदोलन भी करना पड़े तो पीछे नहीं हटूंगा। वहीं एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन, महासचिव नदीम अख्तर ने सभी कार्यकर्ताओं से तन मन से जुट जाने का आह्वान किया। इस दौरान कर्बला मैदान में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सांचौर बागोड़ा भारतमाला एक्सप्रेस वे टॉयल बेस पर शुरू

-विभाग ने हटाए अवरोधक, शहरवासियों ने जताई खुशी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर क्षेत्र से गुजरने वाले भारतमाला एक्सप्रेसवे को रविवार को विभाग की ओर से टॉयल बेस पर यातायात के लिए खोल दिया गया। इस दौरान विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रतापपुर व लाचारी टोल नको पर रखेंगे अवरोध पत्थर व मिट्टी को जेसीबी मशीन से हटाया गया जिससे वाहनों की आवाज आई शुरू हो गई है विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा मापदंडों से जुड़े अधूरे कार्यों को भी जल्द पूरा किया जाएगा। वही प्रारंभिक चरण में एंबुलेंस व्यवस्था को वैकल्पिक रूप से तैनात किया गया है ताकि किसी भी हादसे की स्थिति में घायलों को तुरंत सहायता मिल सके। अधिकारियों ने यह भी बताया कि एक्सप्रेस वे चालू होने से सांचौर शहर के एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था में काफी आसानी मिलेगी ट्रैफिक दबाव में कमी आने की उम्मीद है इससे सांचौर शहर में जाम की समस्या जो हो रही है बार-बार उसे जरूर कुछ राहत मिलेगी स्थानीय नागरिकों ने सांचौर बागोड़ा एक्सप्रेसवे को ट्रायल पर खोलने के लिए लिए गए निर्णय का स्वागत किया। और कहां की यह कदम क्षेत्र के विकास एवं आगमन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। लंबे समय से बंद पड़ा था सांचौर से बागोड़ा एक्सप्रेस में जो की 80 किलोमीटर का क्षेत्र लंबे समय बंद था जबकि सांचौर से था रात तक का एक्सप्रेस वे चालू होने के बावजूद 80 कमी का यह सफर बंद होने से विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में थी वहीं अवैध रूप से ट्रैफिक संचालन के दौरान हुए हादसों को लेकर विभाग की भूमिका पर सवाल उठने के साथ-साथ लोगों ने विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। वहीं दूसरी और एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान हो रहे ट्रैफिक दबाव के दौरान एक्सप्रेसवे को लोग खोलने की मांग कर रहे थे जिसको लेकर विभागीय अधिकारी ने सांचौर बागोड़ा भारत माला एक्सप्रेसवे को आज खोल दिया है आए दिन हादसों में लोगों की मृत्यु होने से अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में रही सांचौर शहर में एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान अत्यधिक ट्रैफिक की वजह से बार-बार शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर विभागीय अधिकारियों ने समस्त कार्य संपूर्ण कर भारतमाला एक्सप्रेसवे शुरू कर दिया है जिसको लेकर व्यापारियों व शहर वासियों ने स्वागत किया।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में Skill-Up Rhinology कार्यशाला 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में Skill-Up Rhinology कार्यशाला 2025 सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यशाला के ओर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ अनामिका (ईएनटी कंसल्टेंट गीतांजली हॉस्पिटल) ने बताया। कार्यशाला का शुभारम्भ डॉ. संगीता गुप्ता (डीन, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज), डॉ. हरप्रीत सिंह (एमएस गीतांजली हॉस्पिटल), डॉ. मनजिंदर कौर (एडिशनल प्रिंसिपल), डॉ. वी पी गोयल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गीतांजली ग्रुप एवं WAOI के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से 70 से अधिक ईएनटी चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुंबई एवं अंतर-राष्ट्रीय प्रशिद्ध ENT सर्जन डॉ रेनुका ब्राडू मुख्य डाईसेक्टर रहे। WAOI अध्यक्ष डॉ. कल्पना नागपाल (दिल्ली), डॉ. लीना जैन (भीलवाड़ा), डॉ. इन्दू शुक्ला (लखनऊ), डॉ. आशिमा सक्सेना (हरियाणा), डॉ. हिमांशु जोशी, डॉ. आर्ची जैन एवं उदयपुर की स्मस्त ए एन टी फैकल्टी मेंटर के रूप में मौजूद रहे। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से आये प्रतिभागी चिकित्सको ने इंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी का मानव कैडेवर पर प्रायोगिक प्रशिक्षण लीया । इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिए एनाटोमी विभाग का भी पूर्ण योगदान रहा । इस कार्यशाला के माध्यम से सर्जनों को एण्डोस्कोप द्वारा नाक एवं साइनस की जटिल शल्य प्रक्रिया की तकनीक का सीधा अनुभव प्राप्त हुआ।

गीतांजली डेंटल कॉलेज में गूंजा "नशामुक्त भारत" का संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के "नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत अभियान" के अंतर्गत जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, गीतांजलि डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उदयपुर द्वारा 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक विविध जनजागरण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता लाना एवं एक स्वस्थ और खुशहाल समाज की दिशा में कदम बढ़ाना रहा। अभियान के तहत सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने "नशा न करने और दूसरों को भी न करने देने" की शपथ ली। कॉलेज परिसर में नशा विरोधी शैक्षणिक पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया जिससे छात्रों में जागरूकता का संचार हुआ। साथ ही कॉलेज परिसर में एक मौन रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्लेकार्ड्स और संदेशों के माध्यम से नशामुक्त जीवन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों द्वारा नशे के दुष्प्रभावों एवं नशा छोड़ने के उपायों पर शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनसे विद्यार्थियों को सही दिशा में सोचने की प्रेरणा मिली। जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग के इस प्रयास की सभी स्तरों पर सराहना की गई। संस्थान के प्राचार्य, डॉ. बालाजी मनोहर ने विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की गतिविधियों में डॉ. मृदुला टाक, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा, डॉ. तरुण माली एवं नितिन गोस्वामी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

मंदिर को लेकर सांसद इकरा हसन की बड़ी घोषणा, सांसद निधि से देंगी 10 लाख रुपये

कैराना। कैराना लोकसभा सीट से सपा सांसद इकरा हसन ने बड़ी घोषणा की है। सांसद ने

मंदिर निर्माण के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये देने का ऐलान किया है। अखिल भारतीय संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मिशन के तत्वाधान में स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास जी महाराज की 173वीं जयंती के अवसर पर गुरु गद्दी ऊन में महान संत समागम में पहुंची कैराना सांसद इकरा हसन ने कहा, रविदास मंदिर में निर्माण कार्यों के लिए वह सांसद निधि से 10 लाख रूपये देंगी।

संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सिद्धपीठ स्वामी ज्ञानभिक्षुक मंदिर में पहुंची कैराना सांसइ इकरा हसन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे संतो के दरबार में सेवा देने और संगत का दीदार करने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा कि संत समागम एक धार्मिक कार्यक्रम है और इन कार्यक्रमों का राजनीतीकरण नहीं होना चाहिए परन्तु जातिवादी मानसिकता के कारण चंद मुट्ठीभर लोग बहुजन समाज के संतो महापुरुषों की विचारधारा के प्रचार में अड़चन पैदाकर अपनी घटिया मानसिकता का प्रदर्शन करते है।

इस दौरान उन्होने ऊन रविदास मंदिर में दस लाख रुपये देने की घोषणा की। जिससे मंदिर में निर्माण कार्य कराये जायेगे

हामिद हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलीं थीं सांसद इकरा हसन-

वहीं दूसरी ओर सहारनपुर जिले के नकुड़ थाना क्षेत्र में पिकअप चालक हामिद अली की हत्या के बाद तनावपूर्ण माहौल के बीच मंगलवार को कैराना सांसद इकरा हसन मृतक के पैतृक गांव खेड़ा अफगान पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। सांसद ने घटना को निर्मम और हृदयविदारक बताते हुए कहा कि इस वक्त पूरा परिवार भय और पीड़ा के बीच है, और वे स्वयं उनकी हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से शीघ्र व निष्पक्ष जांच कर घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान परिजनों ने सांसद को पूरी घटना का विवरण बताया और सुरक्षा की चिंता जताई। सांसद ने उन्हें भरोसा दिया कि राज्य व केंद्र सरकार स्तर पर परिवार को आर्थिक व कानूनी सहायता दिलाने का कार्य किया जाएगा। गौरतलब है कि हामिद अली की मौत के बाद लगातार आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

उर्दू दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा- मंत्री किरेन रिजिजू

-जामिया मिलिया इस्लामिया का 105 वां स्थापना दिवस मनाया गया

नई दिल्ली । अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने उर्दू को 'दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा' बताया और कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव जरूरी है। ये बात उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में कही। उर्दू को दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा है। ये कहना है अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का। उन्होंने देश की एकता और प्रगति के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव को जरूरी बताया। बुधवार (29 अक्टूबर) को रिजिजू ने दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने समारोह को संबोधित कर एकता और अखंडता पर जोर दिया। 105वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उर्दू को दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा बताया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव जरूरी है। इस दौरान उन्होंने भारत की संस्कृति और लोकतांत्रिक भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की।

'विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य राष्ट्र के मूल्यों को दर्शाता है'-

मंत्री ने कहा कि जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य हमारे राष्ट्र के मूल्यों को खूबसूरती से दर्शाता है। उन्होंने ये भी कहा कि महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू जैसी महान हस्तियों ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसका समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षा व्यवस्था की भी तारीफ की।

'अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से बेहद प्रभावित'-

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए रिजिजू ने कहा कि वह इसके अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से बेहद प्रभावित हैं। वहीं लोकतंत्र में खुली बहस के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा 'हमारे लोकतंत्र में लोग अपने विचार आक्रामक रूप से व्यक्त करते हैं, जिससे कभी-कभी ध्रुवीकरण पैदा होता है। लेकिन यह तब तक बुरा नहीं है जब तक कि इससे देश की एकता और अखंडता को नुकसान न हो'।

संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर-

रिजिजू ने अपने संबोधन में कहा कि संसद में अक्सर शोर-शराबे वाली बहसें होती हैं, फिर भी यह विविध विचारों को व्यक्त करने का सबसे अच्छा मंच है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सदन चलाना कभी-कभी कठिन होता है। लेकिन संसद में अराजकता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है। मंत्री ने कहा कि व्यवधानों के बावजूद, महत्वपूर्ण कानून अंत में राष्ट्रहित में पारित होते हैं। उन्होंने भारत की संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण हम सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि यह समस्या के हर पहलू को शामिल करता है और उसका समाधान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्तार अंसारी के बेटों अब्बास और उमर को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

-ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पर रोक बढ़ी

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के गजल होटल मामले में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटों अब्बास अंसारी और उमर अंसारी के खिलाफ अधीनस्थ अदालत में चल रही कार्यवाही पर लगी रोक बढ़ा दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका पर जवाब के लिए अंतिम अवसर भी दिया है। इसके साथ ही अगली सुनवाई के लिए एक दिसम्बर की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने अब्बास और उमर अंसारी की याचिका पर उनके अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय और सरकारी वकील को सुनकर दिया है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में जुलाई 2023 में अब्बास व उमर के खिलाफ लंबित मुकदमे की कार्यवाही और चार्जशीट पर रोक लगाई थी। तब सुनवाई के दौरान अब्बास और उमर के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने अपनी बहस में कहा था कि वर्ष 2005 में जब अब्बास एवं उमर अंसारी के नाम से विवादित जमीन की रजिस्ट्री कराई गई तब वे दोनों नाबालिग थे। नाबालिग होने के कारण उनकी तरफ से उनकी मां अफशां अंसारी ने रजिस्ट्री कराई थी। एडवोकेट उपेंद्र उपाध्याय ने यह भी कहा था कि याची घटना के वक्त नाबालिग थे तो उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं की जा सकती। सुनवाई के बाद कोर्ट ने इसी आधार पर चार्जशीट पर रोक लगाते हुए अधीनस्थ न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर भी रोक लगा दी थी। मामले में आरोप है कि मुख्तार अंसारी के परिवार ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर गजल होटल का निर्माण कराया था। अब्बास और उमर अंसारी को पिछले कुछ दिनों में अदालतों से कई राहतें मिली हैं। इससे पहले अब्बास अंसारी की सजा पर अदालत ने रोक लगा दी थी। इससे उनकी विधायकी भी वापस मिल गई थी। महीनों तक जेल में रहने के बाद अब्बास अदालत से मिली राहत के बाद ही बाहर भी आए थे। इसी तरह उमर को भी अब्बास की तरह अब लगातार राहत मिलने से मुख्तार परिवार में खुशियां लौटी हैं।

दिल्ली दंगों से संबंध होने का सबूत नहीं - उमर खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश रचने के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ को बताया कि 2020 के दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह थोड़ा आश्चर्यजनक है! सिब्बल ने कहा कि अगर मैंने (उमर खालिद) दंगों की साजिश रची थी, तो जिन तारीखों को दंगे हुए, मैं दिल्ली में नहीं था। मुझे हिंसा से जोड़ने वाला कोई धन, हथियार और भौतिक साक्ष्य अभी तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि किसी भी गवाह का बयान वास्तव में याचिकाकर्ता को किसी भी हिंसात्मक कृत्य से नहीं जोड़ता। सिब्बल ने दलील दी कि खालिद समानता के आधार पर जमानत का हकदार है। उन्होंने कहा कि उसके साथी कार्यकर्ताओं नताशा नरवाल, देवांगना कलिता और आसिफ इकबाल तन्हा को जून 2021 में जमानत मिल गई थी। फिलहाल सुनवाई बेनतीजा रही और यह तीन नवंबर को जारी रहेगी। भाषण में गांधीवादी सिद्धांत की बात कही उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए 17 फरवरी, 2020 को अमरावती में उमर खालिद के भाषण को 'भड़काऊ' करार दिया था। सिब्बल ने कहा कि यह यूट्यूब पर उपलब्ध है। यह एक सार्वजनिक भाषण था, जिसमें मैंने (खालिद ने) गांधीवादी सिद्धांतों के बारे में बात की थी। गुलफिशा की जमानत पर विचार करने में बहुत देरी हुई इस बीच, गुलफिशा फातिमा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि वह अप्रैल 2020 से पांच साल पांच महीने से जेल में हैं। सिंघवी ने कहा कि मुख्य आरोपपत्र 16 सितंबर, 2020 को दायर किया गया था, लेकिन अभियोजन पक्ष ने हर साल पूरक आरोपपत्र दायर करना एक 'वार्षिक चलन' बना लिया है। उन्होंने कहा कि फातिमा की जमानत याचिका पर विचार करने में अत्यधिक देरी हुई है, जिसे 2020 से 90 से अधिक बार सूचीबद्ध किया गया है। शरजील ने दंगे से दो माह पहले भाषण दिए थे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने शरजील इमाम की ओर से कहा कि पुलिस को अपनी जांच पूरी करने में तीन साल लग गए। उन्होंने कहा कि दंगों से लगभग दो महीने पहले मैंने (शरजील ने) ये भाषण दिए थे। दवे ने कहा कि ऐसा कोई प्रत्यक्ष या निकट संबंध नहीं है जिससे पता चले कि शरजील ने हिंसा भड़काई।

असम की छात्रा हुमा अबिया कांता ने अज़रबैजान में अंतर्राष्ट्रीय एआई सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया

गुवाहाटी/असम । रॉयल ग्लोबल स्कूल, गुवाहाटी की बारहवीं कक्षा की छात्रा, 16 वर्षीय असम की छात्रा हुमा अबिया कांता ने "उन्नति और नवाचार: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग" अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक-व्यावहारिक सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया है। यह कार्यक्रम 30-31 अक्टूबर, 2025 को नखचिवन स्टेट यूनिवर्सिटी, नखचिवन, अज़रबैजान में हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया था और अज़रबैजान टेक्निकल यूनिवर्सिटी द्वारा नखचिवन स्टेट यूनिवर्सिटी (अज़रबैजान), ताशकंद स्टेट टेक्निकल यूनिवर्सिटी (उज़्बेकिस्तान), एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी (मलेशिया) और मिंगचेविर स्टेट यूनिवर्सिटी (अज़रबैजान) सहित साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर आयोजित किया गया था। "फाइकोसाइनिन शुद्धता का एमएल-आधारित पूर्वानुमान" शीर्षक वाले उनके शोधपत्र में यह पता लगाया गया था कि मशीन-लर्निंग मॉडल स्थायी जैव-संसाधन उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण वर्णक शुद्धता स्तरों की भविष्यवाणी कैसे कर सकते हैं। छह रिग्रेशनर्स - लीनियर, रिज, एसवीआर, रैंडम फ़ॉरेस्ट और एक्सजीबूस्ट - की

तुलना करके, उनके मॉडल ने 0.058 का माध्य निरपेक्ष त्रुटि (एमएई) प्राप्त किया, जो मानक लैब एसडी 0.31 से काफी बेहतर था। हुमा की भागीदारी उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एआई और एमएल फ़ोरम में शोधपत्र प्रस्तुत करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीयों में से एक बनाती है। सम्मेलन की प्रकाशन नीति के अनुसार, उनका शोधपत्र अब स्कोपस में सूचीबद्ध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होगा। उन्होंने एक अन्य शोधपत्र, "सेक-टू-सेक संस्कृत स्वरविज्ञान का तांग-युग सिद्धम-हांज़ी लिप्यंतरण के माध्यम से पुनर्निर्माण: लुओंग ध्यान के साथ एक बौद्ध-शब्दकोश-प्रेरित एनकोडर-डिकोडर मॉडल" भी लिखा है, जिसे इस महीने के अंत में गुवाहाटी विश्वविद्यालय और असम कौशल विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रेगिकॉन 2025 में प्रस्तुति के लिए स्वीकार कर लिया गया है। हुमा पहले ही तीन अतिरिक्त शोधपत्रों का सह-लेखन कर चुकी हैं, जो वर्तमान में सहकर्मी समीक्षा के अधीन हैं। हुमा "डेसीकोड्स" की संस्थापक और प्रमुख डेवलपर हैं, जो एक शैक्षिक स्टार्टअप है जो asPy नामक एक असमिया-पायथन ट्रांसपाइलर का निर्माण कर रहा है जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर में कंप्यूटर विज्ञान सीखने को लोकतांत्रिक बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं में कोडिंग को सक्षम बनाना है। उन्होंने डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन की "हरगिला आर्मी" के साथ भी मिलकर काम किया है, जहाँ उन्होंने महिलाओं द्वारा बुनी गई हथकरघा साड़ियों के लिए लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क के रूपांकनों को डिजिटल रूप देने में मदद की है - जिसमें पारिस्थितिकी, तकनीक और संस्कृति का सम्मिश्रण शामिल है। आभार व्यक्त करते हुए, हुमा ने कहा, "मैं इस उपलब्धि के लिए अपने गुरु, डॉ. अंकुर पान सैकिया और रॉयल ग्लोबल स्कूल के निदेशक डॉ. अरूप कुमार मुखोपाध्याय के निरंतर मार्गदर्शन की आभारी हूँ।"

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा तमकीन फ़ातिमा डीआरडीओ में साइंटिस्ट 'बी' के पद पर चयनित

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की हाल ही में एम.टेक. पास करने वाली छात्रा तमकीन फ़ातिमा (Tamkeen Fatima AMU) ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनका चयन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में साइंटिस्ट 'बी' के पद पर हुआ है। उनका चयन एक बेहद कठिन प्रक्रिया से हुआ, जिसमें शैक्षणिक प्रदर्शन, GATE स्कोर और इंटरव्यू शामिल थे। तमकीन (Tamkeen Fatima AMU) ने 2025 में एम.टेक. (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) में 9.944 का शानदार CPI हासिल किया और अपनी कक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 2023 में बी.टेक. भी AMU से किया था और 2024 में पहली ही कोशिश में यूजी-नेट (जेआरएफ) परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 2

(99.9933 परसेंटाइल) हासिल की थी। उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और शोध क्षमता को देखते हुए उन्हें अगस्त 2025 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, एएमयू में कॉन्ट्रैक्ट असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयनित किया गया। विभाग के शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि तमकीन (Tamkeen Fatima AMU) की यह सफलता विभाग की उस परंपरा को आगे बढ़ाती है, जो देश की सेवा करने वाले प्रतिभाशाली तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करने के लिए जानी जाती है।

ट्रंप बोले: अमेरिका के पास दुनिया को 150 बार उड़ाने लायक परमाणु ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास इतनी परमाणु ताकत है कि वह दुनिया को 150 बार नष्ट कर सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि पाकिस्तान इस समय परमाणु परीक्षण कर रहा है, जैसे रूस, चीन और उत्तर कोरिया कर रहे हैं। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पेंटागन को परमाणु परीक्षण दोबारा शुरू करने पर विचार करने का निर्देश दिया है, क्योंकि अन्य देश पहले से ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम अकेले देश नहीं बनना चाहते जो परीक्षण नहीं करते। जब बाकी देश कर रहे हैं, तो हमें भी तैयार रहना होगा।" चीन और रूस के नेताओं पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग दोनों ही समझदार और ताकतवर नेता हैं, जिनसे निपटना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ अमेरिका मिलकर काम करे तो "हम और भी बड़े, बेहतर और मजबूत बन सकते हैं।" चीन की लंबी रणनीति पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा, "वे लंबी पारी खेलते हैं, लेकिन हम भी खेलते हैं। हम भी उनके लिए खतरा हैं।" उन्होंने रूस और चीन के परमाणु परीक्षणों पर भी सवाल उठाए और कहा कि "वे परीक्षण कर रहे हैं लेकिन उसके बारे में बात नहीं करते, जबकि हम एक खुला समाज हैं इसलिए हमें पारदर्शिता रखनी पड़ती है।" ताइवान पर चीन के संभावित हमले के सवाल पर ट्रंप ने कहा, "अगर ऐसा होता है, तो आपको खुद पता चल जाएगा। मैं सब कुछ नहीं बताता, लेकिन वे जानते हैं कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो क्या होगा।"

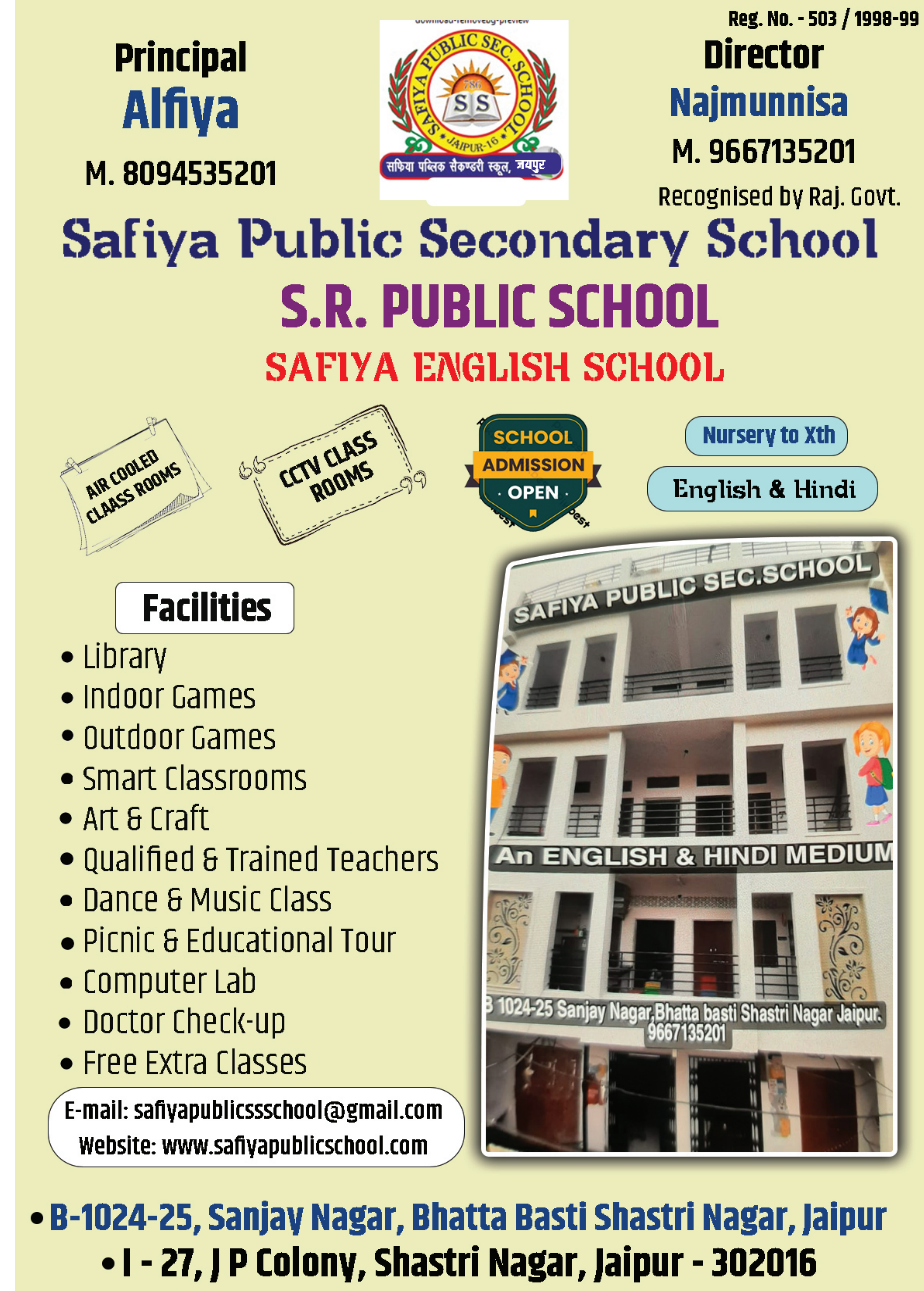

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com